खबर संक्षेप

जनगणना कार्यों का जिला जनगणना प्रभारी ने किया निरीक्षण

शहडोल। जिले में संचालित जनगणना कार्यों की प्रगति का जायजा लेने हेतु जिला जनगणना प्रभारी गिरीश शुक्ला ने जैतपुर चार्ज अंतर्गत विभिन्न ग्रामों का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने खमीडोल, बरतर, केसवाही, सेमरीहा, जमगांव, टेंघा, खमरिहा एवं ढाखर सहित अन्य ग्रामों में पहुंचकर मकान सूचीकरण एवं जनगणना कार्यों का अवलोकन किया। निरीक्षण के दौरान श्री शुक्ला ने प्रगणकों एवं सुपरवाइजरों द्वारा किए जा रहे कार्यों की समीक्षा कर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि जनगणना शासन की अत्यंत महत्वपूर्ण प्रक्रिया है, इसलिए प्रत्येक परिवार एवं मकान की जानकारी पूरी सावधानी और शुद्धता के साथ दर्ज की जाए, ताकि भविष्य की विकास योजनाओं के लिए सही आंकड़े उपलब्ध हो सकें। उन्होंने प्रगणकों को निर्देशित किया कि घर-घर पहुंचकर निर्धारित प्रपत्रों में जानकारी दर्ज करें तथा किसी भी प्रकार की त्रुटि या लापरवाही से बचें। साथ ही सभी कार्य समयसीमा में पूर्ण करने एवं डाटा संकलन की गुणवत्ता बनाए रखने पर विशेष जोर दिया। इस अवसर पर जैतपुर चार्ज के कंट्रोल रूम प्रभारी विरेंद्र सिंह एवं सुपरवाइजर सुरेंद्र सिंह भी उपस्थित रहे। निरीक्षण के दौरान क्षेत्र के प्रगणकों एवं सुपरवाइजरों ने अपने-अपने क्षेत्रों में किए जा रहे कार्यों की जानकारी दी। जिला जनगणना प्रभारी गिरीश शुक्ला ने जनगणना कार्य में लगे अधिकारियों एवं कर्मचारियों की सराहना करते हुए कहा कि जनगणना देश की विकास योजनाओं का आधार होती है, इसलिए इसमें पूरी जिम्मेदारी और गंभीरता के साथ कार्य किया जाना आवश्यक है।

ई-विकास पोर्टल के माध्यम से ई-टोकन जनरेट कर किसान प्राप्त कर सकते हैं रासायनिक उर्वरक

शहडोल। कलेक्टर डॉ. केदार सिंह ने बताया है कि जिले में पर्याप्त मात्रा में रासायनिक उर्वरक उपलब्ध है तथा किसानों को आवश्यकता अनुसार खाद उपलब्ध कराई जा रही है। जिले में यूरिया, डीएपी, एनपीके और सुपर फास्फेट सहित विभिन्न प्रकार के उर्वरकों का पर्याप्त भंडारण मौजूद है। किसान ई-विकास पोर्टल के माध्यम से ई-टोकन जनरेट कर निजी विक्रेता, सहकारी समिति अथवा डबल लॉक केंद्रों से खाद प्राप्त कर सकते हैं। खाद प्राप्त करने के लिए फार्मर आईडी अनिवार्य नहीं है। यदि किसी किसान के पास फार्मर आईडी नहीं है, तो वह ई-विकास पोर्टल पर आधार सत्यापन के माध्यम से अपनी भूमि संबंधी जानकारी दर्ज कर ऑनलाइन आवेदन कर सकता है। संबंधित राजस्व अधिकारी द्वारा सत्यापन के बाद किसान पोर्टल पर लॉगिन कर ई-टोकन प्राप्त कर सकेगा। जिले में खाद वितरण प्रक्रिया को पारदर्शी बनाने के लिए ई-विकास पोर्टल के माध्यम से ही वितरण सुनिश्चित किया जा रहा है।

सीईओ ने जल गंगा संवर्धन अभियान के कार्यों की समीक्षा की

शहडोल। मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत शिवम प्रजापति की उपस्थिति में जनपद पंचायत जयसिंहनगर के सभागार में जल के संरक्षण एवं संवर्धन हेतु चलाएं जा रहे जल गंगा संवर्धन अभियान एवं जल संचय जन भागीदारी अभियान के प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित करने के उद्देश्य से बैठक आयोजित की गई। मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत ने जयसिंहनगर अंतर्गत जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत किये गए कार्यों की प्रगति की समीक्षा कर आवश्यक दिशा-निर्देश संबंधित अधिकारियो को दिए। उन्होंने कहा कि जल संचय जन भागीदारी अभियान के तहत किये जा रहे कार्यों की फोटो पोर्टल में अपलोड़ करें। सीईओ जिला पंचायत ने निर्देश दिए किए जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत विभिन्न विभागों को जो दायित्व सौंपे गए है। संबंधित विभाग जल संरक्षण से संबंधित गतिविधियों का आयोजन करें। ग्रामीण क्षेत्रों में जल चौपाल का आयोजन कर ग्रामीणों को जल संरक्षण के महत्व की जानकारी देकर सहभागी बनाएं। ग्राम पंचायतों द्वारा किए जा रहे विभिन्न कार्यों को समय पर पूरा किया जाए। जल निर्मित जल संरचनाओं को राजस्व रिकार्ड में अनिवार्य रूप से दर्ज कराया जाए। अभियान को गति देने हेतु रैलियों, विभिन्न प्रकार की प्रतियोगिताओं का आयोजन निरंतर किया जाए।

नर्सिंग ऑफिसर अचानक पद से भारमुक्त

बिरसा मुंडा मेडिकल कॉलेज में प्रभार का खेल

नियमों को दरकिनार कर दी गई थी नियुक्ति
अंदरूनी राजनीति की भेंट चढ़ी कुर्सी, प्रबंधन की कार्यप्रणाली पर उठे सवाल
मरीजों की सुविधा से ज्यादा सियासत पर जोर

शहडोल। शहडोल स्थित बिरसा मुंडा शासकीय चिकित्सा महाविद्यालय एक बार फिर विवादों के घेरे में है। कॉलेज अधिष्ठाता द्वारा जारी एक ताजा आदेश 15 मई के बाद प्रभारी नर्सिंग अधीक्षक दीपा रोहाणी कनौजिया को तत्काल प्रभाव से पदमुक्त कर दिया गया है। नियमों को ताक पर रखकर की गई इस नियुक्ति के पीछे अब विभागीय खींचतान और वर्चस्व की जंग की खबरें सामने आ रही हैं।बिरसा मुंडा शासकीय चिकित्सा महाविद्यालय एवं संबद्ध चिकित्सालय के सुचारू संचालन के नाम पर एक बड़ा प्रशासनिक फेरबदल किया गया है। कार्यालय अधिष्ठाता द्वारा जारी आदेश क्रमांक / स्था. अराज / जी.एम.सी. / 2026-27 / 2857, दिनांक 15/05/2026 के माध्यम से श्रीमती दीपा रोहाणी कनौजिया, नर्सिंग ऑफिसर को प्रभारी नर्सिंग अधीक्षक के पद से तत्काल प्रभाव से भारमुक्त किया गया है। दिलचस्प बात यह है कि यह आदेश पूर्व में जारी कार्यालयीन आदेश क्रमांक 1909 दिनांक 02 जुलाई 2024 में आंशिक संशोधन करते हुए जारी किया गया है। अधिष्ठाता के हस्ताक्षर से जारी इस पत्र की प्रतिलिपि संयुक्त संचालक, अस्पताल अधीक्षक सहित सभी विभागाध्यक्षों और स्थानीय लेखा शाखा को भी भेजी गई है ताकि तत्काल प्रभाव से इसकी तामीली सुनिश्चित की जा सके।

विवादों से शुरू हुआ था सफर

नर्सिंग ऑफिसर की इसी नियुक्ति के समय

मेडिकल कॉलेज परिसर में भारी गहमागहमी देखी गई थी। सूत्रों की मानें तो जब श्रीमती कनौजिया को इस महत्वपूर्ण पद की जिम्मेदारी सौंपी गई थी, तब विभागीय नियमों और वरिष्ठता की सूची को पूरी तरह नजरअंदाज किया गया था। उस वक्त अन्य पात्र कर्मचारियों और नर्सिंग स्टाफ ने इस मनमानी नियुक्ति का पुरजोर विरोध किया था। शिकायतों का अंबार अधिष्ठाता कार्यालय तक पहुंचा था, लेकिन तत्कालीन समय में प्रबंधन ने अपनी शक्तियों का प्रयोग करते हुए सभी आवाजों को दबा दिया था। नियमों के विपरीत जाकर एक अन्य स्थानांतरित होकर आए नर्सिंग स्टाफ के साथ इन्हें इस पद से नवाजा गया था। आज अचानक उसी पद से भारमुक्त किए जाने के आदेश ने प्रबंधन की कार्यशैली पर फिर से उंगलियां उठा दी हैं।

पर्दे के पीछे का खेलः ऑफ रिकॉर्ड चर्चाएं

नर्सिंग ऑफिसर को भारमुक्त किए जाने के पीछे आधिकारिक कारण जो भी दिए जा रहे हों, लेकिन ऑफ रिकॉर्ड चर्चाएं कुछ और ही कहानी बयां कर रही हैं। माना जा रहा है कि उक्त कर्मचारी के साथ जिस दूसरी महिला स्टाफ को नियुक्त किया गया था, वही इस ताजा आदेश का असली कारण है। गलियारों में चर्चा है कि पर्दे के पीछे उसी महिला स्टाफ ने प्रबंधन को विश्वास में लेकर यह पूरा खेल खेला है और अपनी प्रतिद्वंद्वी को रास्ते से हटवाया है। मरीजों की सेवा या कर्मचारियों की राजनीति है, बिरसा मुंडा मेडिकल कॉलेज की छवि एक ऐसे संस्थान की बनती जा रही है जहां मरीजों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं देने के बजाय कर्मचारियों को राजनीति में उलझाने का काम अधिक होता है। वरीयता और योग्यता को दरकिनार कर जिस तरह से मनमाने ढंग से प्रभार बांटे और छीने जा रहे हैं, उससे कार्यसंस्कृति बुरी तरह प्रभावित हो रही है। ?जब संस्थान के मुखिया और प्रशासनिक अधिकारी नियमों के बजाय व्यक्तिग पसंद-नापसंद के आधार पर निर्णय लेने लगें, तो व्यवस्था का चरमराना तय है।

म्यूजिकल चेयर के इंतजार में कई

वर्तमान में शहडोल मेडिकल कॉलेज में प्रभार का यह म्यूजिकल चेयर खेल चर्चा का विषय बना हुआ है। अब देखना यह होगा कि इस आदेश के बाद क्या वरिष्ठता को सम्मान मिलेगा या फिर किसी नए चहेते को इस कुर्सी पर बैठाया जाएगा।

रेलवे मजदूर कांग्रेस ने सहायक मंडल विद्युत अभियंता को घेरा

रेलवे में तानाशाही पर मजदूर कांग्रेस का जोरदार प्रहार

दो घंटे की मैराथन बैठक के बाद झुका प्रशासन, वापस होंगी चार्जशीट

शहडोल। रेलवे में नौकरी करना क्या किसी जेल में रहने जैसा हो गया है, जहां कर्मचारी को बहन की शादी, खुद के ब्याह या बीमार पिता के इलाज के लिए घर जाने पर पुरस्कार के रूप में चार्जशीट और अनुपस्थिति थमा दी जाती है! शहडोल और पेंड्रारोड के रनिंग स्टाफ के साथ चल रहे इसी प्रशासनिक अत्याचार के खिलाफ आखिरकार रेलवे मजदूर कांग्रेस ने आर-पार की लड़ाई का बिगुल फूंक दिया है। बिलासपुर के मंडल समन्वयक विजय अग्निहोत्री के निर्देश और जोनल कार्यकारी अध्यक्ष लक्ष्मण राव के दमदार नेतृत्व में यूनियन के एक भारी-भरकम प्रतिनिधिमंडल ने 14 मई को सहायक मंडल विद्युत अभियंता चंद्र प्रकाश मस्तुरिया के साथ शहडोल में एक इन्फॉर्मल मगर बेहद तल्ख बैठक की।

अफसरों की कागजी दादागीरी पर जमकर बरसे पदाधिकारी

बैठक में पेंड्रारोड के उन 12 कर्मचारियों की चार्जशीट का मुद्दा गूंजा, जिन्हें घरेलू मजबूरियों के बावजूद प्रताड़ित किया गया। साथ ही उन 6 रेलकर्मियों का पक्ष भी रखा गया, जिन्हें तानाशाही रवैया अपनाते हुए जबरन गैरहाजिर कर दिया गया था। दो घंटे तक चली इस मैराथन बैठक में मजदूर कांग्रेस के नेताओं ने तीखे तेवर दिखाते हुए साफ कहा कि अफसर अपनी कागजी दादागीरी बंद करें, रेलकर्मी हाड़-मांस का इंसान है, कोई रोबोट नहीं। शाखा सचिव के लेटर पैड पर जब रनिंग स्टाफ की समस्याओं का पुलिंदा अधिकारी के सामने पटका गया, तो दो घंटे की बहस के बाद साहब के तेवर ढीले पड़ गए।

अफसरों ने दी सकारात्मक सफाई

प्रतिनिधिमंडल के इस तीखे और आक्रामक रुख के आगे आखिरकार एईई (ओपी) शहडोल को घुटने टेकने पड़े। उन्होंने बैकफुट पर आते हुए सकारात्मक सुर अलापे और आश्वासन दिया कि सभी चार्जशीट माफ की जाएंगी और जबरन थोपी गई अनुपस्थिति (एब्सेंट) पर पुनर्विचार कर उसे हटाया जाएगा। इस जोरदार और कामयाब घेराबंदी में पेंड्रारोड शाखा सचिव हेमंत कुमार, उपाध्यक्ष दीपक सिंह, सहायक सचिव वीर सिंह मीणा, ब्रांच काउंसलर किशन सिंह सहित शहडोल शाखा सचिव बालकृष्ण बंगारी, अध्यक्ष प्रभास कुमार और अनूपपुर शाखा सचिव जयंतोदास दासगुप्ता ने अपनी एकजुटता से सोए हुए रेल प्रशासन को जगाने का काम किया। अब देखना यह है कि साहब अपने वादे पर कितनी जल्दी अमल करते हैं!

युवा, सेना में जुड़कर समाज और देश की करें सेवा: विधायक

शहडोल। विधायक श्रीमती मनीषा सिंह एवं कलेक्टर डॉ. केदार सिंह की उपस्थिति में पिछड़ा वर्ग तथा अल्पसंख्यक कल्याण विभाग द्वारा पिछड़ा वर्ग के युवाओं के लिए संचालित शौर्य संकल्प प्रशिक्षण योजना के तहत 45 दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया।

विधायक श्रीमती मनीषा सिंह ने प्रशिक्षणर्थियो को सम्बोधित करते हुए कहा कि शौर्य संकल्प प्रशिक्षण योजना के माध्यम से युवाओ को आगे बढने का मौका दिया जा रहा है। शौर्य संकल्प प्रशिक्षण योजना के तहत चिन्हित अभ्यर्थी मन लगाकर प्रशिक्षण प्राप्त करें, यह प्रशिक्षण होमगार्ड भर्ती, आर्मी, पुलिस भर्ती जैसे अन्य भर्ती के लिए मददगार साबित होगा। उन्होंने कहा कि सेना में भर्ती होकर अपने देश और समाज की सेवा करें। शौर्य संकल्प प्रशिक्षण योजना युवाओ को अनुशासन, आत्म विश्वास एवं शारीरिक क्षमता को दक्ष बनाने की पहल है। कार्यक्रम को अध्यक्ष नगरपालिका घनश्याम जायसवाल ने भी सम्बोधित किया।

कलेक्टर डॉ. केदार सिंह ने प्रशिक्षण में चयनित अभ्यर्थियो को सम्बोधित करते हुए कहा कि प्रत्येक व्यक्ति की अलग-अलग रूचि होती है और रूचि के अनुसार कार्य करने से सफलता मिलती है। उन्होंने कहा कि युवाओ को कभी किश्मत के भरोसे नही रहना चाहिए, किश्मत उन्हीं

लोगो का साथ देती है जो कड़ी मेहनत, लगन और समपर्ण के साथ अपने लक्ष्य को हासिल करने का प्रयास करते है। उन्होंने युवाओ को प्रतियोगी परीक्षाओ में सफल होने के गुर सिखाते हुए कहा कि परीक्षार्थियो को किताबो से प्राप्त महत्वपूर्ण जानकारियो को अपने स्वयं के नोट्स में लिखे और रटने के बजाय उन चीजो को समझ-समझ कर याद करे तो वे चीजे हमेशा याद रहती है। उन्होंने कहा कि सोशल मीडिया में प्रसारित झूठी खबरो से बचे एवं मोबाइल का सकारात्मक उपयोग कर अपने समय का सदुपयोग करें।

निरीक्षक पिछड़ा वर्ग तथा अल्पसंख्यक कल्याण विभाग श्रीमती आशा द्विवेदी ने बताया कि म.प्र. शासन, पिछड़ा वर्ग तथा अल्पसंख्यक कल्याण विभाग द्वारा प्रदेश के अन्य पिछड़ा वर्ग के युवाओं को सैन्य बल एवं अन्य समकक्ष सुरक्षा बलों पुलिस, होमगार्ड एवं निजी सुरक्षा एजेंसियों में भर्ती के लिए सक्षम बनाने के उद्देश्य से प्रदेश के 20 जिला मुख्यालयों पर पुरुष एवं महिला प्रतिभागियों के लिए शौर्य संकल्प प्रशिक्षण योजना 2026 अंतर्गत पृथक-पृथक निःशुल्क आवासीय प्रशिक्षण संचालित किया जाएगा। जिसमें अनूपपुर सहित भोपाल, इंदौर, उज्जैन, सागर, जबलपुर, ग्वालियर, शहडोल, रीवा, नर्मदापुरम, मुरैना, रायसेन, खण्डवा, मंदसौर, टीकमगढ़, छिंदवाड़ा, गुना, सतना, बैतूल एवं भिण्ड जिला मुख्यालय शामिल है। प्रशिक्षण अवधि 45 दिवस निर्धारित किया गया है। उन्होंने बताया कि पुरूष एवं महिला वर्ग हेतु प्रशिक्षण केंद्र शासकीय पंडित शंभूनाथ शुक्ल विश्वविद्यालय शहडोल निर्धारित किया गया। उन्होंने बताया कि प्रातः 6 बजे से 7:30 बजे तक शारीरिक प्रशिक्षण, प्रातः 9:30 बजे से 11:30 बजे तक एवं अपरान्ह 11:45 बजे से दोपहर 1:45 बजे तक सैद्वांतिक विषय अध्यापन कक्षा, सांय 5 बजे से प्रातः 6:30 बजे तक खेलकूद की गतिविधियां एवं 6:30 बजे से रात्रि 8:30 बजे तक स्वाध्याय हेतु समय-सारणी निर्धारित की गई है। इस अवसर पर सहायक आयुक्त जनजातीय कार्य विभाग आनंद राय सिंहा, सहायक संचालक पिछड़ा वर्ग तथा अल्पसंख्यक कल्याण विभाग तीरथ गरमे सहित अन्य अधिकारी एवं शौर्य संकल्प प्रशिक्षण योजना के तहत चिन्हित अभ्यर्थी उपस्थित रहें।

भाजपा नेता की मौत का हिट एंड रन कांड

टोल प्लाजा के तीसरी आंख ने खोला सफेद स्कॉर्पियो का खूनी राज

शहडोल। जिले के ब्यौहारी थाना क्षेत्र में 10 मई की सुबह भाजपा नेता राहुल द्विवेदी और अतुल तिवारी की संदिग्ध मौत के बाद उपजा जनाक्रोश आखिरकार शांत होता दिख रहा है। हत्या और दुर्घटना के संशय में उलझी इस गुत्थी को ब्यौहारी पुलिस ने टोल प्लाजा की तीसरी आंख (सीसीटीवी) की मदद से सुलझा लिया है। रीवा से शहडोल तक के टोल नाकों को खंगालने के बाद पुलिस ने उस कातिल सफेद स्कॉर्पियो को छत्तीसगढ़ के धमतरी से ट्रेस कर लिया है, जिसने दोनों होनहार युवकों को मौत की नींद सुला दिया था।

ग्रामीणों का फूटा था गुस्सा, दोबारा हुआ था पीएम

विदित हो कि शादी समारोह से लौट रहे दोनों युवकों के शव मिलने के बाद पूरे इलाके में सनसनी फैल गई थी। परिजनों और ग्रामीणों ने हत्या की आशंका जताते हुए टिहकी में

चक्काजाम कर दिया था, जिसके बाद पुलिसिया तंत्र के हाथ-पांव फूल गए थे। भारी दबाव के बीच शवों का दोबारा पोस्टमार्टम मेडिकल कॉलेज में कराया गया था। कागजी खानापूर्ति के बजाय ब्यौहारी पुलिस ने जब तकनीकी जाल बिछाया, तो संदिग्ध सफेद स्कॉर्पियो क्रमांक सीजी 04 एलएफ 3043 पुलिस के रडार पर आ गई।

धमतरी में खड़ी मिली क्षतिग्रस्त गाड़ी

थाना प्रभारी जिया उल हक के नेतृत्व में जब पुलिस टीम छत्तीसगढ़ के धमतरी पहुंची, तो वहां खड़ी स्कॉर्पियो का अगला हिस्सा पूरी तरह क्षतिग्रस्त मिला, जिसने ब्यौहारी हादसे की गवाही खुद ब खुद दे दी। पुलिसिया पूछताछ के आगे टूटते हुए वाहन मालिक ने कबूल किया कि वह परिवार सहित इलाहाबाद (प्रयागराज) से छत्तीसगढ़ लौट रहा था, तभी अचानक मोटरसाइकिल सामने आने से यह दर्दनाक हादसा हो गया। फिलहाल पुलिस ने फरार वाहन और उसके मालिक के खिलाफ कड़ा मामला दर्ज कर आगे की वैधानिक कार्रवाई शुरू कर दी है। जनता अब यह उम्मीद कर रही है कि रसूखदारों के इस हिट एंड रन मामले में पीड़ितों को जल्द से जल्द कड़ा न्याय मिलेगा।

फर्जी विश्वविद्यालयों से सावधान रहें विद्यार्थी

छात्रों के भविष्य की सुरक्षा के लिए उच्च शिक्षा विभाग और यूजीसी का संयुक्त जागरूकता अभियान

शहडोल। फर्जी विश्वविद्यालयों और अवैध शिक्षण संस्थानों के जाल से विद्यार्थियों को बचाने के लिए मध्यप्रदेश शासन के उच्च शिक्षा विभाग ने विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) के निर्देशों के तहत व्यापक जागरूकता अभियान शुरू किया है। प्रदेश के सभी शासकीय एवं निजी विश्वविद्यालयों, शासकीय/अशासकीय महाविद्यालयों और शैक्षणिक संस्थानों को इस संबंध में आवश्यक दिशा- निर्देश जारी किए गए हैं। यूजीसी ने वर्तमान प्रवेश सत्र को देखते हुए विद्यार्थियों, अभिभावकों और शैक्षणिक संस्थानों को सतर्क रहने की सलाह दी है। आयोग के अनुसार कुछ संस्थान स्वयं को विश्वविद्यालय या उच्च शिक्षण संस्थान बताकर छात्रों को आकर्षक विज्ञापनों और भ्रामक दावों के माध्यम से भ्रमित कर रहे हैं। ऐसे संस्थानों द्वारा प्रदान की गई डिग्रियां न तो उच्च शिक्षा के लिए मान्य होंगी और न ही रोजगार के लिए उपयोगी होंगी। यूजीसी की 18 मार्च की सार्वजनिक सूचना में भी स्पष्ट किया गया है कि केवल विधिक मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय एवं संस्थान ही डिग्री प्रदान कर सकते हैं तथा फर्जी संस्थानों से प्राप्त डिग्रियां किसी भी शैक्षणिक अथवा रोजगार संबंधी उद्देश्य के लिए मान्य नहीं होंगी।

यूजीसी के निर्देशानुसार विद्यार्थियों को प्रवेश लेने से पहले संबंधित संस्थान की मान्यता की जांच करने के लिए प्रेरित किया जाएगा। विशेष रूप से कक्षा 10वीं और 12वीं के विद्यार्थियों तथा उनके अभिभावकों को जागरूक करने पर जोर दिया गया है, जिससे उच्च शिक्षा में प्रवेश के समय वे किसी भी तरह की शैक्षणिक धोखाधड़ी का शिकार न हों। मध्यप्रदेश उच्च शिक्षा विभाग ने इस जानकारी को सभी उच्च शिक्षण संस्थानों तक पहुंचाने के साथ व्यापक प्रचार-प्रसार के निर्देश दिए हैं। यह पहल विद्यार्थियों के शैक्षणिक भविष्य को सुरक्षित रखने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम मानी जा रही है।

मान्यता प्राप्त संस्थान ही दे सकते हैं डिग्री

यूजीसी की 18 मार्च की सार्वजनिक सूचना के अनुसार डिग्री केवल उन्हीं विश्वविद्यालयों या संस्थानों द्वारा प्रदान की जा सकती है, जो राज्य, केंद्र या प्रांतीय अधिनियम के तहत स्थापित हों अथवा यूजीसी अधिनियम, 1956 के अनुसार अधिकृत हों।

प्रवेश से पहले यह जांच जरूर करें

किसी भी संस्थान में प्रवेश लेने से पहले उसकी मान्यता यूजीसी की आधिकारिक सूची में जांचें। केवल विज्ञापनों के आधार पर प्रवेश न लें। यदि कोई संस्थान नियमों के विपरीत शैक्षणिक कार्यक्रम चला रहा हो, तो उसकी सूचना संबंधित प्राधिकरण को दें।

चिल्हारी-बरदौहा मार्ग पर भीषण हादसा, गांजा बरामद

उमरिया। चिल्हारी-बरदौहा मार्ग पर शुक्रवार तडक़े करीब 3 बजे हुआ एक सडक़ हादसा महज एक दुर्घटना नहीं, बल्कि नशे के काले कारोबार का सनसनीखेज पर्दाफाश साबित हुआ। पुलिया के पास एक तेज रफ्तार स्कॉर्पियो अनियंत्रित होकर लिप्टिस के पेड़ से जा टकराई। टक्कर इतनी भीषण थी कि गाड़ी के परखच्चे उड़ गए, लेकिन सुबह जब ग्रामीणों ने मौके पर जाकर देखा, तो नजारा देखकर उनके होश उड़ गए। अमरपुर चौकी पुलिस ने जब मौके पर पहुंचकर क्षतिग्रस्त स्कॉर्पियो क्रमांक एचआर 51 सीडी 1948 की तलाशी ली, तो उसमें से आधा क्विंटल यानी लगभग 60 किलो से अधिक अवैध मादक पदार्थ गांजा बरामद हुआ। पुलिसिया खौफ और पकड़े जाने के डर से घायल तस्कर तडक़े ही गाड़ी छोडक़र रफूचक्कर हो चुके थे। तस्करी के लिए हरियाणा पासिंग नंबर प्लेट का इस्तेमाल किया गया था। पुलिस अब इस बात की तफ्तीश कर रही है कि यह नंबर असली है या खाकी को चकमा देने के लिए लगाया गया फर्जी मुखौटा। साफ है कि मध्य प्रदेश के रास्ते नशे की एक बड़ी खेप खपाने की तैयारी थी। फिलहाल पुलिस ने गांजा और वाहन को जब्त कर फरार तस्करों की तलाश में जाल बिछा दिया है। लेकिन जनता पूछ रही है कि आखिर पुलिसिया गश्त को ठेंगा दिखाकर यह उड़ता गांजा जिला मुख्यालय की नाक के नीचे कैसे पहुंच गया।

हाथियों का खूनी तांडव: शहडोल के गिरवा में एक की मौत, दहशत में ग्रामीण

शहडोल। संभाग के शहडोल और अनूपपुर जिलों में जंगली हाथियों का आतंक अब बेकाबू हो चला है। अनूपपुर जिले में लगातार मचे कोहराम के बाद अब शहडोल जिले के अमलाई थाना अंतर्गत गिरवा गांव में एक जंगली हाथी ने भारी तबाही मचाई है। यहां हाथी ने न केवल एक ग्रामीण को मौत के घाट उतार दिया, बल्कि घर के बाहर बंधी एक गाय को भी कुचलकर मार डाला। इस हृदयविदारक घटना के बाद से पूरे क्षेत्र में मातम और आक्रोश का माहौल है। अनूपपुर और शहडोल में यदि पिछले कुछ वर्षों का रिकॉर्ड देखा जाए, तो हर साल हाथियों के हमले में औसतन 10 से अधिक लोग अपनी जान गंवा देते हैं। खासकर जयसिंहनगर और जैतहरी जैसे क्षेत्रों में यह संघर्ष अब एक सालाना त्रासदी बन चुका है।

समाजसेवी जितेंद्र सिंह ने उठाई मुआवजे और सुरक्षा की मांग

क्षेत्र में बढ़ती इन घटनाओं और वन विभाग की विफलता के खिलाफ समाजसेवी जितेन्द्र सिंह ने मोर्चा खोल दिया है। उन्होंने मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव और वन विभाग के उच्चाधिकारियों को एक मार्मिक पत्र लिखकर मानवीय जीवन की रक्षा की गुहार लगाई है। श्री सिंह ने कड़े शब्दों में कहा है कि आदिवासी बाहुल्य अनूपपुर और शहडोल जिले पिछले 5 वर्षों से हाथियों के तांडव से त्रस्त हैं, लेकिन प्रशासन मौन है। उन्होंने मांग की है कि मृत व्यक्तियों के आश्रितों को दी जाने वाली 8 लाख रुपये की मामूली राशि को बढ़ाकर 1 करोड़ रुपये किया जाए और परिवार के एक सदस्य को वन विभाग में अनुकंपा नियुक्ति प्रदान की जाए। समाजसेवी ने सवाल उठाया है कि क्या स्वतंत्र भारत में एक निरीह ग्रामीण के जीवन का कोई मोल नहीं रह गया है?

टॉर्च का झुनझुना थामे वन विभाग की लाचारी

मीडिया में प्रसारित खबरों के अनुसार, वन विभाग की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल खड़े हो रहे हैं। समाजसेवी जितेन्द्र सिंह ने अपने पत्र में उल्लेख किया है कि वन विभाग के पास हाथियों को नियंत्रित करने के लिए कोई आधुनिक तकनीक या विशेषज्ञ नहीं हैं। विभाग के मैदानी अमले को मात्र टॉर्च का झुनझुना पकड़ा दिया गया है, जिससे वे केवल दूर से हाथियों का पीछा करते हैं और मकानों को जमींदोज होते देखते रहते हैं। विभाग केवल ग्रामीणों को घरों में कैद रहने की सलाह देता है, लेकिन उनकी सुरक्षा के लिए कोई ठोस कदम नहीं उठाता।

खौफ के साये में ग्रामीण और आत्मरक्षा का संकट

हाथियों का यह हिंसक व्यवहार अब गांवों के अस्तित्व के लिए खतरा बन गया है। समाजसेवी ने प्रशासन को चेताया है कि यदि कोई ग्रामीण आत्मरक्षार्थ हाथियों से बचने का प्रयास करता है, तो विभाग उसे वन्यजीव अधिनियम का उल्लंघन मानकर अपराधी बना देता है। विडंबना यह है कि इंसानी हिंसा पर तो कड़ी सजा का प्रावधान है, लेकिन दर्जनों इंसानों और मवेशियों को मारने वाले इन हाथियों पर कोई कार्रवाई नहीं होती। मांग की गई है कि हिंसक हाथियों को तत्काल ट्रैंकुलाईज (बेहोश) कर सांकलों में कैद किया जाए या उन्हें जिले की सीमा से बाहर खदेड़ने के लिए कोई विशेष कार्य योजना बनाई जाए।

क्रांतिकारी आंदोलन की दी चेतावनी

जैसीनगर से लेकर अनूपपुर के सुदूर गांवों तक, ग्रामीण अब इस सालाना आपदा से ऊब चुके हैं। समाजसेवी जितेन्द्र सिंह और स्थानीय नागरिकों का कहना है कि यदि सरकार ने तत्काल प्रभाव से भरपूर मुआवजा और सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम नहीं किए, तो जनता का यह आक्रोश जल्द ही एक क्रांतिकारी आंदोलन का रूप ले सकता है। फिलहाल शहडोल और अनूपपुर की सीमा पर हाथियों का दल बना हुआ है और प्रशासन की टीमें केवल निगरानी का दावा कर रही हैं, जबकि ग्रामीण रातों की नींद खोकर लाठी और मशाल के भरोसे अपनी जान बचाने को मजबूर हैं।

अवैध उत्खनन-परिवहन करते तीन वाहन सहित एक जे.सी.बी. मशीन जब्त

उमरिया। कलेक्टर श्रीमती राखी सहाय के निर्देशन में प्रभारी अधिकारी डॉ. विद्याकांत तिवारी, सहायक खनि अधिकारी दिवाकर चतुर्वेदी, खनि निरीक्षक प्रभात कुमार पट्टा एवं प्रभारी खनि निरीक्षक एन.एस.आर्मो की टीम द्वारा खनिजों के अवैध उत्खनन, परिवहन तथा भंडारण की रोकथाम हेतु सतत भ्रमण किया जा रहा है। इसी तारतम्य में खनिज अमले की वाहन जॉच में तहसील बांधवगढ़ अंतर्गत सिंगलटोला रेल्वे फाटक के पास उमरिया से शहपुरा रोड पर एक ट्रेक्टर जिसका वाहन क्रमांक एमपी 54 जेड 2014 मय ट्राली वाहन स्वामी मुन्ना यादव पिता रूरू यादव को खनिज मिट्टी के परिवहन करते पाए जाने से रोका गया जिसमें कोई वैध दस्तावेज नहीं पाए जाने से वाहन को जप्त किया गया। इसी प्रकार 14 मई 2026 को तहसील पाली अंतर्गत बेली-मुदरिया रोड के किनारे निजी भूमि से 1 जे.सी.बी. जिसका क्रमांक एमपी 18 डीए 0473 एवं 2 अन्य मेटाडोर जिनके क्रमांक क्रमशः एमपी 18 जीए 5255 एवं एमपी 18 जीए 4978 के द्वारा अवैधानिक रूप से मिट्टी मुरूम का उत्खनन कर निर्माणाधीन मुदरिया प्लेटफार्म के भराई हेतु ले जा रहा था। जिसे उत्खनन एवं परिवहन दौरान जब्त किया जाकर थाना पाली के परिसर में अभिरक्षार्थ रखवाया गया। उक्त प्रकरणों में म.प्र. खनिज अवैध (खनन, परिवहन तथा भंडारण का निवारण) नियम 2022 के नियमों के तहत कार्यवाही प्रचलन में है तथा संयुक्त अमले द्वारा कलेक्टर के निर्देशन में लगातार सघन जॉच की जा रही है।

किसानों से जाना व्यवस्थाओं का हाल

समर्थन मूल्य खरीदी केंद्रों का उपसंचालक कृषि ने किया निरीक्षण

उमरिया। जिले में समर्थन मूल्य पर संचालित चना और मसूर खरीदी केन्द्रों का उपसंचालक कृषि संग्राम सिंह मरावी द्वारा निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने जिले की कृषि उपज मंडी चंदिया खरीदी केंद्र का दौरा कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया और केंद्र पर पहुंचे किसानों से सीधे बातचीत कर उनकी समस्याएं सुनीं।उपसंचालक कृषि ने खरीदी केंद्र में तौल व्यवस्था, किसानों के बैठने के लिए छाया, पेयजल, साफ-सफाई और उपज के सुरक्षित भंडारण सहित अन्य व्यवस्थाओं का निरीक्षण किया। इस दौरान किसानों ने खरीदी प्रक्रिया और केंद्रों में उपलब्ध सुविधाओं को लेकर चर्चा की । निरीक्षण के दौरान संग्राम सिंह मरावी ने संबंधित अधिकारियों और कर्मचारियों को निर्देश दिए कि खरीदी कार्य पूरी पारदर्शिता और शासन की गाइडलाइन के अनुसार किया जाए। किसानों को उपज बेचने में किसी प्रकार की परेशानी न हो, इसके लिए सभी जरूरी व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने के निर्देश भी दिए गए।उन्होंने कहा कि शासन की मंशा के अनुरूप किसानों से समय पर उपज खरीदी की जाए ताकि किसानों को आर्थिक लाभ मिल सके और उन्हें अनावश्यक परेशानियों का सामना न करना पड़े। निरीक्षण के दौरान खरीदी केंद्र का स्टाफ भी मौजूद रहा।

जिला स्तरीय कार्यशाला संपन्न

डेंगू नियंत्रण के लिए उमरिया में जनजागरूकता अभियान शुरू

उमरिया। राष्ट्रीय डेंगू दिवस 16 मई को अभियान के रूप में मनाया जा रहा है। इस वर्ष की थीम डेंगू नियंत्रण के लिए जन भागीदारी रू जांच करें, सफाई करें और ढकें रखी गई है। जिले में डेंगू से बचाव के लिए जागरूकता अभियान चलाया जा रहा है। इसके तहत बैठक,प्रशिक्षण, रैली और नारे लेखन जैसी गतिविधियां आयोजित की जा रही हैं। इसी क्रम में जिला मलेरिया कार्यालय उमरिया में जिला स्तरीय कार्यशाला आयोजित की गई, जिसमें अर्बन उमरिया एवं अर्बन चंदिया के सुपरवाइजर और स्वास्थ्यकर्मियों को प्रशिक्षण एवं शपथ दिलाई गई। ब्लॉक स्तर पर भी बैठक और रैली आयोजित की जा रही है तथा गांव-गांव में जनजागरूकता अभियान चलाया जा रहा है। जिला मलेरिया अधिकारी डॉ. व्ही.एस. चंदेल ने बताया कि डेंगू के लक्षणों में तेज बुखार, सिरदर्द, शरीर व जोड़ों में दर्द, शरीर पर चकत्ते, नाक या मसूड़ों से खून आना तथा आंखों के पीछे दर्द शामिल हैं। ऐसे लक्षण होने पर तुरंत नजदीकी स्वास्थ्य केंद्र, आशा या एएनएम से संपर्क कर जांच और उपचार कराना चाहिए।

जिला व्हीबीडी सलाहकार रवि कुमार साहू ने बताया कि डेंगू का मच्छर साफ पानी में पनपता है और दिन में काटता है। बचाव के लिए घर के आसपास पानी जमा न होने दें, सप्ताह में एक बार कूलर और पानी की टंकी खाली करें तथा मच्छरदानी का उपयोग करें। टूटे बर्तन, टायर और डिब्बों में पानी जमा न होने दें। रुके हुए पानी में जला हुआ ऑयल या केरोसिन डालें।कार्यशाला में मलेरिया निरीक्षक दद्दू चौधरी, सेक्टर सुपरवाइजर विनोद जावरकर,माया शर्मा,नीलेश सोनी, एएनएम एवं आशा कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

सशस्त्र सेना झंडा दिवस निधि में उत्कृष्ट योगदान पर उमरिया कलेक्टर सम्मानित

उमरिया।

मध्य प्रदेश के उमरिया में सशस्त्र सेना झंडा दिवस वर्ष 2024-25 (07 दिसंबर 2024 से 06 दिसंबर 2025) के अंतर्गत निर्धारित लक्ष्य से अधिक राशि संग्रहित करने पर कलेक्टर श्रीमती राखी सहाय को प्रदेश के माननीय राज्यपाल द्वारा ट्रॉफी एवं प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया।

जिले को सशस्त्र सेना झंडा दिवस निधि हेतु 3 लाख 12 हजार 200 रुपये का लक्ष्य निर्धारित किया गया था, जिसे उमरिया जिले ने उल्लेखनीय जनसहयोग एवं प्रशासनिक प्रयासों से पार करते हुए उत्कृष्ट उपलब्धि हासिल की। यह सम्मान शहडोल संभाग सैनिक कल्याण अधिकारी कर्नल अरुण शुक्ला तथा जिला सैनिक कल्याण अधिकारी संतोष चतुर्वेदी द्वारा कलेक्टर श्रीमती राखी सहाय को ट्रॉफी एवं प्रशस्ति पत्र सौंपकर प्रदान किया गया। इस अवसर पर संयुक्त कलेक्टर अमित सिंह भी उपस्थित रहे। समारोह में जिले द्वारा सैनिक कल्याण एवं राष्ट्रसेवा से जुड़े कार्यों में किए जा रहे योगदान की सराहना की गई।

भक्ति रस में सराबोर हुआ कोयलांचल क्षेत्र

संगीतमय श्रीमद्भागवत कथा में उमड़ा श्रद्धा का सैलाब

राजा परीक्षित एवं सुखदेव प्रसंग सुन भाव-विभोर हुए श्रद्धालु

हरिभूमि न्यूज बदरा/जमुना। कोयलांचल क्षेत्र इन दिनों भक्ति, आध्यात्म और धार्मिक उल्लास के रंग में रंगा हुआ है। वार्ड क्रमांक 07, भालूमाड़ा थाना के पास पसान स्थित गुड्डू मिश्रा एवं श्रीमती सीता मिश्रा के निवास पर आयोजित भव्य संगीतमय श्रीमद् भागवत कथा में प्रतिदिन बड़ी संख्या में श्रद्धालु पहुंचकर धर्म लाभ अर्जित कर रहे हैं। कथा स्थल पूरी तरह भक्तिमय वातावरण में परिवर्तित हो गया है, जहां हर ओर "राधे-राधे" और "जय श्री कृष्ण" के जयघोष गूंज रहे हैं। कथा के दूसरे दिन विख्यात कथावाचक आचार्य पं. धर्मेन्द्र अवस्थी ने राजा परीक्षित एवं परम ज्ञानी सुखदेव महाराज के दिव्य प्रसंग का अत्यंत भावपूर्ण वर्णन किया। कथा के दौरान उन्होंने बताया कि श्रीमद् भागवत कथा केवल धार्मिक आयोजन नहीं, बल्कि जीवन को सत्य, धर्म और भक्ति के मार्ग पर चलाने का दिव्य माध्यम है। आचार्य श्री ने कहा कि भागवत कथा का श्रवण मनुष्य के जीवन के दुख, मोह और पापों का नाश कर आत्मा को परम शांति प्रदान करता है। अपने मधुर प्रवचनों एवं ओजस्वी वाणी से आचार्य ने श्रद्धालुओं को भक्ति रस में ऐसा डुबोया कि उपस्थित जनसमूह भाव-विभोर होकर झूम उठा। कथा के बीच-बीच में प्रस्तुत भजन, कीर्तन एवं संगीतमय प्रस्तुतियों ने पूरे वातावरण को आध्यात्मिक ऊर्जा से भर दिया। महिलाएं, बुजुर्ग, युवा एवं बच्चे बड़ी श्रद्धा और उत्साह के साथ कथा श्रवण करते नजर आए। आयोजन समिति द्वारा श्रद्धालुओं के बैठने, पेयजल, प्रसाद एवं अन्य व्यवस्थाओं को सुव्यवस्थित ढंग से संचालित किया जा रहा है। आयोजन में क्षेत्र के अनेक समाजसेवी एवं श्रद्धालु सक्रिय भूमिका निभा रहे हैं। कथा स्थल को आकर्षक धार्मिक सजावट एवं रंग-बिरंगी रोशनी से सजाया गया है, जो श्रद्धालुओं के आकर्षण का केंद्र बना हुआ है। कथा प्रतिदिन दोपहर 3 बजे से हरि इच्छा तक आयोजित की जा रही है, जहां श्रद्धालु बड़ी संख्या में पहुंचकर कथा अमृत का रसपान कर रहे हैं। आयोजन को लेकर पूरे क्षेत्र में उत्साह और धार्मिक आस्था का माहौल बना हुआ है।

25 मई से शुरू होगा नौतपा, झेलना पड़ेगा गर्मी का सितम

हरिभूमि न्यूज कोतमा। सूरज ने अभी से आग उगलना शुरू कर दिया है और अभी तो नौतपा लगना बाकी है। नौतपा 25 मई से लग रहा है। ज्येष्ठ मास के ये 9 दिन सबसे गरम होते हैं। इन 9 दिनों में गर्मी अपने चरम पर होगी। बुरी तरह से झुलस जाएंगे लोग। नौतपा का आरंभ 25 मई से होगा और यह 2 जून को समाप्त होगा।

यह अवधि 15 दिन की होगी और इसमें शुरू के 9 दिन गर्मी सबसे अधिक होती है, इसलिए इसे नौतपा कहते हैं। नौतपा 9 दिन की वह अवधि होती है जब धरती का तापमान सबसे अधिक होता है। अबकी बार नौतपा 25 मई से शुरू होगा और 2 जून को समाप्त होगा। जिसमें से शुरू की 9 दिन की अवधि में सूरज की गर्मी झुलसा देने वाली होगी। पंडित अमन पाण्डेय ने बताया कि जब सूर्य रोहिणी नक्षत्र में प्रवेश करता है तो नौतपा की शुरुआत होती है और जब मृगशिरा नक्षत्र में आ जाता है तो नौतपा समाप्त होता है। ज्येष्ठ मास के इन 9 दिनों में भीषण गर्मी पड़ती है। इन 9 दिनों में लोगों को अपना और परिवार के सदस्यों का विशेष ध्यान रखना चाहिए। ये 9 दिन की अवधि में धरती सूर्य की ऊष्मा को अवशोशित करके बारिश के लिए अनुकूल वातावरण तैयार करती है। इस अवधि में सूर्य वृषभ राशि में रोहिणी नक्षत्र में स्थित होते है ऐसा माना जाता है कि नौतपा के दौरान धरती जितनी अधिक तपती है, मानसून में उतनी ही अच्छी वर्षा होती है। कई हिस्सों में भीषण लू, तापमान में तीव्र वृद्धि और सूखे जैसे हालात लेकर आता है. अधिकतम तापमान 45 डिग्री सेल्सियस या उससे अधिक तक पहुंच सकता है. दिन के साथ-साथ रातें भी गर्म रहती हैं, जिससे जनजीवन पर गहरा असर पड़ता है। ग्रामीण क्षेत्रों में यह समय फसलों के लिए चुनौतीपूर्ण होता है, वहीं शहरी क्षेत्रों में बिजली और पानी की खपत तेजी से बढ़ जाती है। चिकित्सा विशेषज्ञ इस दौरान लोगों को धूप से बचने, अधिक पानी पीने और हल्का भोजन लेने की सलाह देते हैं। नौतपा के बाद मानसून की आहट शुरू होती है, इसलिए यह कालवेला मौसम परिवर्तन की पूर्व चेतावनी भी मानी जाती है। अतः इस नौतपा में सभी को सतर्क रहना होगा और स्वास्थ्य संबंधी सावधानियों का पालन करना आवश्यक है।

तिपहिया चालक दरकिनार करने से नहीं चूकते यातायात नियम

बेलगाम दौड़ने से बढ़ रही दुर्घटनाएं व सड़कों पर जाम की समस्या

हरिभूमि न्यूज कोतमा। नगर में तिपहिया आटो की भरमार होने के साथ ही इनके बेलगाम दौड़ने से जहां दुर्घटनाएं हो रही हैं वहीं बेतरतीब खड़े किए जाने से सड़कों पर जाम की समस्या बढ़ रही है। ऐसे में लोगों को परेशानी झेलनी पड़ती है। यातायात नियमों को धता बता रहे अधिकतर तिपहियों पर नंबर प्लेट तक नहीं है। यहां तक की बीमा भी नही है। हालात यह है कि इतनी सवारी नहीं होती जितने कि तिपहिये। मारामारी के कारण तिपहिया चालक यातायात नियमों को दरकिनार करने से नहीं चूकते। इसके लिए उन्हे चाहे तिपहिया बीच सड़क पर क्यों न खड़ा करना पड़े।

बस स्टैंड में धमा चौकड़ी

नगर के सबसे व्यस्त यातायात क्षेत्र बस स्टैंड में तिपहिए आटो चालकों की मनमानी दिन प्रतिदिन प्रशासन पर हावी होती जा रही है। प्रशासनिक अधिकारी तिपहिया चालकों के गदर को रोकने में पूरी तरह लाचार नजर आ रहे हैं। नगर के बीचों बीच बस स्टैंड में तिपहिया चालकों के कारण अक्सर जाम की स्थिति बनी रहती है। बस स्टैंड में तिपहिया चालकों की मनमानी के चलते बेतरतीब आटो को खड़ा कर दिया जाता है। जिसके कारण यात्रियों को परेशानी होती है। पैदल महिला तथा छोटे-छोटे बच्चों का तो निकलना ही दूभर हो जाता है। यात्री बसों के आगमन पर बस के गेट के सामने तिपहिया लगाने के कारण यात्रियों को भी अब इनकी गदर से भारी परेशानी होती है।

यही हाल मुखर्जी चौक का है जहां कोतमा से निगवानी जाने वाले तिपहिया आटो चालक सड़कों पर ही वाहन को खड़ा कर देते हैं। नगर का चौक हो या आम रास्ता ये तिपहिया आटों चालक अपने वाहन को आड़ा-तिरछा खड़ा कर रास्ते को अवरुद्ध करना अपनी शान समझतें हैं। राहगीरों को रास्ता न देना और या इस बारे मे कुछ भी बोलने वालों के साथ अभद्र व्यवहार करना तिपहिया चालकों का अधिकार बन चुका है।

दो पहिया पर शक्ति

तिपहियों का आतंक किसी से छिपा नहीं है इसके बावजूद आए दिन दो पहिया वाहन चालकों के दस्तावेज एवं हेलमेट चौकिंग के नाम पर शक्ति से पेश आया जाता है वही आतंक मचा रहे तिपहिया वाहन चालकों के आवश्यक दस्तावेज लाइसेंस ओवर लोड आदि तक की जांच न करना चर्चा का विषय बना हुआ है। तिपहिया आटों वाहनों में चालकों के द्वारा क्षमता से अधिक सवारी बैठाई जाती है जिसके कारण दुर्घटना भी घटित हो चुकी है। लेकिन यातायात विभाग के द्वारा तिपहिया आटों वाहनों पर कार्यवाही नहीं किये जाने से इनके हौसले बुलंद हैं। बस स्टैंड, मुखर्जी चौक, विकास नगर, टैक्सी स्टैंड में नगर पालिका के द्वारा किराया सूची भी नहीं चस्पा की गई है। जिसके कारण तिपहिया आटों चालक सवारी से मनमानी तरीके से किराया वसूल करते हैं।

दुर्घटना घटित होने पर होती है कार्यवाही

जिले में कोई बड़ी सड़क दुर्घटना होने के बाद प्रशासन हरकत में आता है और अभियान चलाकर ऐसे वाहन चालकों पर शक्ति दिखाते हुए कार्यवाही करने बात करते हैं। जबकि जिले में आए दिन ऐसे वाहन चालकों के कारण दुर्घटनाएं घटित होती है। तिपहिया वाहन चालकों के द्वारा निर्धारित क्षमता से अधिक सवारियों को वाहन में बैठकर उनकी जान के साथ खिलवाड़ किया जा रहा है। जिला परिवहन विभाग को अभियान चलाकर ऐसे वाहनों पर शक्ति के साथ कार्यवाही करनी चाहिए।

17 मई से 20 मई तक पावन प्रज्ञा पुराण-गौ कथा तथा गायत्री महायज्ञ का आयोजन

हरिभूमि न्यूज जैतहरी।

अखिल विश्व गायत्री परिवार मीडिया प्रभारी चन्द्रशेखर राठौर से प्राप्त सूत्रों के अनुसार अखिल विश्व गायत्री परिवार के संस्थापक युगऋषि वेदमूर्ति तपोनिष्ठ पं.श्रीराम आचार्य के सहधर्मिणी परम वंदनीया माता भगवती देवी शर्मा एवं शांतिकुंज हरिद्वार में प्रज्वलित अखण्ड ज्योति के शताब्दी वर्ष (1926-2026) के उपलक्ष्य में अधिमास के पावन बेला पर शांतिकुंज हरिद्वार के तत्वाधान एवं अखिल विश्व गायत्री परिवार के मार्गदर्शन में प्रज्ञाधाम गौशाला-अंजनी, जैतहरी, में 17 मई से 20 मई तक चार दिवसीय श्रीमद् पावन प्रज्ञा पुराण-गौ कथा एवं गायत्री महायज्ञ का आयोजन किया जा रहा है। आयोजन का मुख्य उद्देश्य भारतीय संस्कृति के आधार स्तम्भ गौ, गायत्री, गीता, गंगा और सद्गुरु के द्वारा ही मानव जीवन का परम कल्याण कर मनुष्य में देवत्व का उदय एवं धरती पर स्वर्ग का अवतरण होना संभव है। इस महाअनुष्ठान में विभिन्न प्रकार के संस्कार जैसे पुंसवन, नामकरण, अन्नप्राशन, विद्यारंभ एवं दीक्षा आदि संस्कार निशुल्क सम्पन्न होंगे। इस महाआयोजन से आप सभी महानुभावों को गौसेवा यज्ञ, गायत्री महायज्ञ एवं ज्ञानयज्ञ से लाभान्वित होने का दुर्लभ स्वर्णिम अवसर प्राप्त होने जा रहा है। इस महाआयोजन का संचालन अखिल विश्व गायत्री परिवार की अन्तर्राष्ट्रीय कथावाचक अनिलेश तिवारी (भोले श्री), वाराणसी के टोली द्वारा किया जा रहा है। यह कार्यक्रम का शुभारंभ 17 मई दिन-रविवार को प्रातः 08.00 बजे से मंगल कलश शोभायात्रा के द्वारा होने जा रहा है तथा सायं 05.00 से पावन प्रज्ञा पुराण-गौ कथा का संगीतमय प्रवचन सम्पन्न होना है। 18 मई दिन-सोमवार द्वितीय दिवस के प्रथम सत्र में प्रातः 07.00 बजे से देवपूजन एवं गायत्री महायज्ञ तथा द्वितीय सत्र में प्रज्ञा पुराण-गौ कथा। 19 मई मंगलवार तृतीय दिवस के प्रथम सत्र में विभिन्न प्रकार के निरूशुल्क संस्कार के साथ गायत्री महायज्ञ तथा द्वितीय सत्र में सायं प्रज्ञा पुराण-गौ कथा तथा 20 मई दिन-बुधवार चतुर्थ दिवस के प्रथम सत्र में दीक्षा संस्कार एवं गायत्री महायज्ञ तथा द्वितीय सत्र में सायं प्रज्ञा पुराण-गौ कथा के साथ भव्य दीपमहायज्ञ एवं टोली की विदाई सम्पन्न होगा। अतः आप सभी महानुभाव तन-मन-धन से सहयोग प्रदान एवं भागीदारी कर उपरोक्त महाअनुष्ठान धर्म आयोजन में अधिक से अधिक संख्या में पहुंचकर श्रेय पुण्य का लाभ प्राप्त करने का सौभाग्य प्राप्त करेंगे ऐसी आशा एवं अपेक्षा है।

खबर संक्षेप

महुआ और मोबाइल की दिनदहाड़े डकैती

शहडोल। जिले में कानून व्यवस्था का जनाजा निकल चुका है और खाकी का इकबाल मानो पूरी तरह खत्म हो चुका है। अब आम आदमी तो दूर, मेहनत-मशक्कत करने वाले किसान भी महफूज नहीं हैं। गोहपारू थाना क्षेत्र के कोतरी नाला के पास घात लगाए बैठे बदमाशों ने दिनदहाड़े एक किसान को रोककर बंदूक की नोक जैसी दहशत फैलाई और दो बोरी महुआ सहित मोबाइल लूटकर चंपत हो गए। जयसिंहनगर के भटगवां निवासी पीड़ित रामदास सिंह जब मोटरसाइकिल से लौट रहा था, तभी तीन गुंडों ने उसे घेरा। पैसों की मांग पूरी न होने पर बदमाशों ने सरेराह लूटपाट की वारदात को अंजाम दिया।

गोहपारू में किसान को सरेराह लूटा पुलिसिया खौफ हुआ खत्म, बहादुरी दिखाकर पीड़ित खुद पहुंचा लुटेरों के घर

पुलिस से पहले पीड़ित ने पकड़ी लुटेरों की लोकेशन!

शर्मनाक बात यह है कि जिस पुलिस को मुस्तैद होना चाहिए था, उसकी जगह पीड़ित किसान ने अदम्य साहस दिखाया। एक आरोपी को पहचानने के कारण वह खुद पीछा करते हुए उनके घर तक घुस गया। वहां जब उसने अपना महुआ मांगा, तो आदतन अपराधियों ने उसे सीधे जान से मारने की धमकी दे डाली। बाद में डरे-सहमे पीड़ित ने पिता के साथ गोहपारू थाने पहुंचकर शिकायत दर्ज कराई। पुलिस ने कागजी खानापूर्ति करते हुए मुख्य आरोपी बुद्धू उर्फ बृजकिशोर को तो दबोच लिया है, लेकिन दो शातिर लुटेरे अब भी पुलिस की नाक के नीचे से फरार हैं।

रेलवे मजदूर कांग्रेस ने रनिंग स्टाफ के मुद्दों पर सहायक मंडल विद्युत अभियंता के साथ की जोरदार चर्चा

चार्जशीट माफ करने और अनुपस्थिति हटाने का मिला आश्वासन

शहडोल। रेलवे मजदूर कांग्रेस (RMC) शहडोल और पेंड्रारोड के प्रतिनिधिमंडल ने रनिंग कर्मचारियों की ज्वलंत समस्याओं को लेकर सहायक मंडल विद्युत अभियंता (ओ.पी.) शहडोल चंद्र प्रकाश मस्तुरिया के साथ एक महत्वपूर्ण अनौपचारिक (इन्फॉर्मल) बैठक की। बैठक में मंडल समन्वयक बिलासपुर विजय अग्निहोत्री के कुशल निर्देश व मार्गदर्शन में संपन्न हुई। बैठक का मुख्य उद्देश्य शहडोल और पेंड्रारोड के रनिंग स्टाफ को जारी की गई चार्जशीट और उनकी अनुपस्थिति (एब्सेंट) से संबंधित गंभीर समस्याओं का निराकरण कराना था।

पदाधिकारियों के नेतृत्व में दमदार पैरवी

जोनल कार्यकारी अध्यक्ष एवं सीआईसी प्रभारी लक्ष्मण राव के नेतृत्व व मार्गदर्शन में आयोजित इस बैठक में यूनियन के कई वरिष्ठ पदाधिकारी शामिल हुए। पदाधिकारियों ने पेंड्रारोड के 12 कर्मचारियों को दी गई चार्जशीट और 6 कर्मचारियों को अनुपस्थित किए जाने के मामले को बेहद जोरदार और दमदार

ढंग से उठाया। यूनियन के प्रतिनिधियों ने प्रबंधन के सामने एक-एक प्रकरण पर तथ्य रखते हुए कहा किःयदि कोई कर्मचारी अपने परिवार की अति आवश्यक जिम्मेदारियों—जैसे पिता का इलाज, बहन की शादी या स्वयं के विवाह के लिए जा रहा है, तो वैसी स्थिति में उसे अनुपस्थित (एब्सेंट) मार्क करना पूरी तरह से अनुचित और संवेदनहीन है।

दो घंटे चली मैराथन चर्चा, मिला सकारात्मक आश्वासन

लगभग दो घंटे तक चली इस लंबी बैठक में रनिंग स्टाफ से जुड़े सभी पहलुओं पर विस्तार से चर्चा की गई। पदाधिकारियों द्वारा शाखा सचिव के लेटर पैड पर रनिंग कर्मचारियों की समस्याओं का मांग पत्र भी सौंपा गया। सभी मुद्दों को गंभीरता से सुनने के बाद सहायक मंडल विद्युत अभियंता (AEE OP) शहडोल ने अत्यंत सकारात्मक रुख अपनाया। उन्होंने प्रतिनिधिमंडल को आश्वस्त करते हुए कहा कि सभी कर्मचारियों की चार्जशीट माफ की जाएगी और जिन कर्मचारियों को अनुपस्थित किया गया है, उनके मामलों पर सहानुभूतिपूर्वक पुनर्विचार कर अनुपस्थिति को हटाया जाएगा।

इस महत्वपूर्ण अनौपचारिक बैठक में मुख्य रूप से पदाधिकारी उपस्थित रहेः हेमंत कुमार (शाखा सचिव, पेंड्रा रोड) दीपक सिंह (शाखा उपाध्यक्ष, पेंड्रा रोड) वीर सिंह मीणा (सहायक सचिव) किशन सिंह (ब्रांच काउंसलर) बालकृष्ण बंगारी (शाखा सचिव, शहडोल)श्री प्रभास कुमार (शाखा अध्यक्ष, शहडोल) जयंतो दास दासगुप्ता (शाखा सचिव, अनूपपुर) उपस्थित रहे।

सुप्रीम कोर्ट के ऐतिहासिक फैसले के बाद बुढार में पुलिस अलर्ट

टीआई विनय सिंह गहरवार के नेतृत्व में सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम

बुढार। गोवंश (गौमाता) मामले में माननीय सर्वोच्च न्यायालय (सुप्रीम कोर्ट) द्वारा सुनाए गए ऐतिहासिक फैसले के बाद, स्थानीय प्रशासन और पुलिस पूरी तरह से अलर्ट मोड पर है। कोर्ट के आदेशों का कड़ाई से परिपालन कराने और क्षेत्र में शांति व सुरक्षा व्यवस्था बनाए रखने के लिए बुढार पुलिस बल जगह-जगह तैनात रहा।

थाना प्रभारी के निर्देशन में चप्पे-चप्पे पर रही नजर

नगर निरीक्षक विनय सिंह गहरवार के कुशल निर्देशन में बुढार नगर के सभी प्रमुख स्थलों, व्यस्त चौराहों और संवेदनशील इलाकों में भारी पुलिस बल तैनात किया गया। कानून-व्यवस्था को सुदृढ़ रखने के लिए पुलिस की टीमों ने निम्नलिखित मुख्य स्थानों पर मोर्चा संभालाःरेलवे स्टेशन चौक,लोहिया चौक,जैतपुर चौराहा,इन प्रमुख चौराहों पर फिक्स पिकेट्स तैनात करने के साथ-साथ, पुलिस की विशेष पेट्रोलिंग पार्टी लगातार नगर में भ्रमण करती रही। टीआई विनय सिंह गहरवार ने खुद फील्ड में उतरकर सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया। पुलिस की इस तत्परता और मुस्तैदी का परिणाम रहा कि पूरे क्षेत्र में शांति बनी रही और कहीं से भी किसी अप्रिय घटनाक्रम या विवाद की खबर सामने नहीं आई।

शांति और कानून का राज पहली प्राथमिकता

नगर निरीक्षक विनय सिंह गहरवार ने साफ तौर पर कहा है कि माननीय न्यायालय के आदेशों का सम्मान और क्षेत्र में अमन-चैन बनाए रखना उनकी पहली प्राथमिकता है। पुलिस प्रशासन ने आम जनता से भी अपील की है कि वे अफवाहों पर ध्यान न दें और कानून-व्यवस्था बनाए रखने में पुलिस का सहयोग करें।

भाजपा नेता समेत दो की हुई मौत का खुला राजः एक स्कार्पियो गाड़ी हुई ट्रेस, टोल प्लाजा के cctv में हुई कैद

पशु तस्करों के ऊपर लग रहा था हत्या का आरोप जल्द से जल्द होगा खुलासा

शहडोल। जिले के ब्योहारी थाना क्षेत्र में हुए चर्चित सड़क हादसे में भाजपा नेता राहुल द्विवेदी के मौत के मामले में पुलिस को बड़ी सफलता हाथ लगी है जांच के दौरान टोल प्लाजा के **cctv** फुटेज में हादसे के बाद संदिग्ध स्कार्पियो नजर आई जिसके आधार पर पुलिस ने वाहन को ट्रेस कर लिया है अब वाहन मालिक के मामला दर्ज कर आगे की कार्रवाई की जा रही है ज्ञात हो कि विगत 10 मई को सुबह सड़क के किनारे भाजपा नेता राहुल द्विवेदी एवं अतुल तिवारी के शव मिले थे दोनों बाइक से एक शादी समारोह में शामिल होकर घर वापस लौट रहे थे आशंका गई थी कि किसी अज्ञात वाहन व्दारा तेज रफ्तार वाहन ने टक्कर मारकर फरार हो गया था जिस पर

परिजनों एवं ग्रामीण जनो रीवा शहडोल राज्यमार्ग जाम कर हत्या की आशंका जताई थी और टिहकी में चक्का जाम कर दिया सूचना मिलते ही पुलिस घटनास्थल पर पहुंची और काफी मशक्कत के बाद आक्रोशित लोगों समझा इस के बाद दोबारा पोस्टमार्टम मेडिकल कॉलेज शहडोल में पी एम किया गया इसके बाद कल ग्रामीण जनो पुलिस अधीक्षक शहडोल पहुंचकर ज्ञापन सौंपकर पशु तस्करों के ऊपर शंका जताई और समयसीमा में कारवाई किस मांग की गई थी जिस पर हादसे के बाद ब्योहारी पुलिस जांच में जुटी रही। पुलिस ने

रीवा शहडोल तक स्थित टोल नाकों के सी सी टी वी फुटेज खंगाले जिसके आधार पर संदिग्ध वाहन सफेद स्कार्पियो क्रमांक **cg** 04 **lf**3043 के रूप में हुई जो हादसे के समय गुजरता दिखाई दिया था। वाहन नंबर के आधार पर पुलिस छत्तीसगढ़ के धमतरी जिले तक पहुंची जहां स्कार्पियो वाहन को ट्रेस हुई जांच में स्कार्पियो गाड़ी का अगला हिस्सा छतिग्रस्त मिला जिससे हादसे की पुष्टि हुई इस घटना के संबंध में थाना प्रभारी ब्योहारी ने बताया कि वाहन मालिक व्दारा पूछताछ में बताया कि वह परिवार के साथ इलाहाबाद से छत्तीसगढ़ लौट रहा था तभी टिहकी गांव के समीप बाइक सवार अचानक गाड़ी के सामने आ गये और दुर्घटना हो गई फिलहाल मामले की पुलिस जांच जुटी है

धनपुरी नगर पालिका का तुगलकी फरमान

45 डिग्री की आग में काटा सैकड़ों घरों का गला

बूंद-बूंद को तरसे मासूम और बुजुर्ग, टैंकरों पर मची लूट

धनपुरी। जब आसमान से सूरज आग उगल रहा हो और पारा 45 डिग्री के पार जा चुका हो, तब जनता को राहत देने के बजाय धनपुरी नगरपालिका ने जल संकट का ऐसा डेथ वारंट जारी किया है जिसने पूरी इंसानियत को शर्मसार कर दिया है। नल कर बकाया होने के नाम पर नगरपालिका के साहबों ने वार्ड क्रमांक 22 के सैकड़ों घरों के पानी के कनेक्शन एक झटके में काट दिए। नतीजा यह है कि पूरे इलाके में पानी के लिए हाहाकार मच गया है और लोग बूंद-बूंद पानी के लिए तरस रहे हैं। प्रशासनिक लापरवाही का आलम देखिए कि वार्ड में नई पाइपलाइन बिछाने के नाम पर पुरानी लाइन को पूरी तरह मटियामेट कर दिया गया। जिन्होंने टैक्स नहीं दिया उनका गला तो घोंटा ही गया, लेकिन उनके चक्कर में पूरे वार्ड के 100 से अधिक निर्दोष परिवारों को इस भीषण गर्मी में प्यास की सजा दे दी गई।

टैंकर पहुंचते ही मची अफरा-तफरी

बिना किसी पूर्व सूचना और बिना किसी वैकल्पिक इंतजाम के पानी बंद करने वाले इस तुगलकी रवैये से जनता का आक्रोश सातवें आसमान पर है। हालात इस कदर बदतर हो चुके हैं कि जब नगरपालिका का एक अदद टैंकर वार्ड में पहुंचता है, तो पानी के लिए दंगे जैसी स्थिति बन जाती है। पानी भरने को लेकर महिलाओं और बुजुर्गों के बीच सरेराह धक्का-मुक्की, झूमाझपटी और विवाद के शर्मनाक नजारे आम हो चुके हैं। छोटे-छोटे बच्चे और महिलाएं बर्तनों के साथ सडक़ों पर भटकने को मजबूर हैं।

पहले नोट लाओ, फिर प्यास बुझाओ

एक तरफ जनता त्राहि-त्राहि कर रही है, तो दूसरी तरफ धनपुरी नगरपालिका के हुक्मरान अपनी जेबें गर्म करने की हठधर्मिता पर अड़े हैं। नगरपालिका प्रबंधन का साफ कहना है कि जब तक पाई-पाई टैक्स जमा नहीं होगा, तब तक जलापूर्ति बहाल नहीं की जाएगी। जनता पूछ रही है कि टैक्स वसूली के और भी कानूनी तरीके हो सकते हैं, लेकिन इस जानलेवा गर्मी में पानी रोककर लोगों को मरने के लिए छोड़ देना कहां का न्याय है? जिला प्रशासन इस अमानवीय कृत्य पर तत्काल संज्ञान ले, वरना प्यासी जनता का यह गुस्सा कभी भी कलेक्ट्रेट का घेराव कर सकता है।

शंभूनाथ विश्वविद्यालय में किताबी पढ़ाई के ढर्रे पर प्रहार

अब उद्योगों की जरूरत के हिसाब से तपेंगे छात्र

शहडोल। केवल कोरी डिग्रियां बांटने और रटंत विद्या के भरोसे युवाओं का भविष्य अंधकार में धकेलने वाले पारंपरिक शैक्षणिक ढर्रे पर पंडित शंभूनाथ शुक्ल विश्वविद्यालय ने कड़ा प्रहार किया है। विश्वविद्यालय प्रशासन ने यह साफ कर दिया है कि अब छात्र केवल किताबी कीड़ा बनकर नहीं रहेंगे, बल्कि उन्हें उद्योगों की वास्तविक जरूरत के अनुसार तकनीकी रूप से सशक्त बनाया जाएगा। इसी कड़ी में 8 मई को विश्वविद्यालय के नवप्रवर्तन केंद्र (इन्क्यूबेशन सेंटर) और एक्सप्लोर-आईटी डिजिटल प्राइवेट लिमिटेड के बीच कौशल विकास और रोजगारोन्मुख व्यावहारिक प्रशिक्षण को लेकर एक अत्यंत महत्वपूर्ण समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए। इस महत्वपूर्ण अवसर पर विश्वविद्यालय के प्रभारी कुलसचिव आशीष तिवारी, नवप्रवर्तन केंद्र के प्रमुख प्रो. प्रवीण शर्मा सहित केंद्र की सदस्य डॉ. मौशमी कर एवं डॉ. वंदना राम मुख्य रूप से उपस्थित रहीं।

कृत्रिम बुद्धिमत्ता और आधुनिक तकनीक से लैस होंगे युवा

समझौते के तुरंत बाद कंपनी के मुख्य कार्यकारी अधिकारी के साथ एक तीखी और उद्देश्यपूर्ण बैठक हुई। इस बैठक में छात्र-छात्राओं को आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (कृत्रिम बुद्धिमत्ता), डेटा साइंस, वेब टेक्नोलॉजी और अन्य उभरती हुई आधुनिक तकनीकों में कड़ा प्रशिक्षण देने की रणनीति तैयार की गई। अब तक केवल फाइलों में सिमटने वाली इंटर्नशिप और लाइव प्रोजेक्ट को धरातल पर उतारने, छात्रों को औद्योगिक परिवेश का सीधा अनुभव कराने तथा सीधे कार्यस्थल पर नियुक्ति के अवसर विकसित करने पर विशेष रूप से जोर दिया गया।

जब तक युवा आत्मनिर्भर नहीं, तब तक शिक्षा अधूरीः कुलगुरु

इसके पश्चात कुलपति के साथ हुई उच्च स्तरीय बैठक में युवाओं को आधुनिक तकनीकी क्षेत्रों में पूरी तरह दक्ष बनाने के लिए दीर्घकालिक योजनाओं का खाका खींचा गया। कुलगुरु प्रो. रामशंकर ने कड़े शब्दों में कहा कि वर्तमान समय की मांग के अनुसार यदि छात्रों में तकनीकी दक्षता नहीं है, तो शिक्षा अधूरी है। विश्वविद्यालय अपने विद्यार्थियों को केवल रोजगार पाने योग्य ही नहीं, बल्कि आत्मनिर्भर और स्वरोजगारी बनाने के लिए प्रतिबद्ध है। स्थानीय जानकारों का मानना है कि यदि यह समझौता केवल कागजों तक सीमित न रहकर पूरी कड़ाई से जमीन पर उतरा, तो क्षेत्र के युवाओं के लिए यह मील का पत्थर साबित होगा।

कई महीनों से पाली ब्लॉक के मझगवा के आंगनबाड़ी केंद्र अरहरिया टोला आंगनबाड़ी सहायिका अनुपस्थित

आखिर कब होगी कार्यवाही

उमरिया। जिले के पाली विकास खंड में महिला बाल विकास पाली अंतर्गत ग्राम मझगवा के आंगनबाड़ी केंद्र अरहरियाटोला में सहायिका के पद पर सुश्री रीनू यादव का चयन महिला बाल विकास के नियुक्ति नियमानुसार मेरिट सूची में प्रथम आने पर कार्यालयीन पत्र क्रमांक 392 पाली दिनांक 17/10/2025 को की गई थी जिस पर सुश्री रीनू यादव ने दिनांक 27/10/2025 को कार्यालय महिला बाल विकास के अपनी उपस्थिति दी। परंतु उपस्थिति दिनांक से लेकर

आज दिनांक 15/10/2025 तक आंगनबाड़ी केंद्र में उपस्थित नहीं हुई एवं नआ ही अपनी अनुपस्थिति की कोई सूचना कार्यालय में किसी भी माध्यम से प्रेषित की। दिनांक 14/11/2025 को क्षत्रिय पर्यवेक्षक के माध्यम से अनुपस्थिति की सूचना उपरांत कार्यालयीन पत्र क्रमांक 436 पाली दिनांक 14/11/2025 को उपस्थिति हेतु पत्र जारी किया गया, पर रीनू यादव उपस्थित नहीं हुई,027/11/2025 को ग्रामीणों की उपस्थिति में पंचनामा भी बनवाया गया। कार्यालयीन पत्र क्रमांक 476 दिनांक 27/11/2025 को पुनः पत्र जारी किया गया , उपस्थित नहीं होने की दशा में 10/12/2025 को अंतिम चेतावनी पत्र जारी कर 15/12/2025 तक अंतिम अवसर भी प्रदान किया गया। उसके पश्चात लगातार कार्यालयीन पत्र क्रमांक 718 दिनांक 31/12/2025, पत्र क्रमांक 20,दिनांक 15/04/2026 को भी सूचना पत्र जारी करते हुए परियोजना अधिकारी पाली द्वारा दिनांक 09/05/2026 को अरहरियाटोला भ्रमण किया गया अनुपस्थिति पर ग्रामीणों से चर्चा उपरांत सेवा समाप्ति हेतु सहमति दी गई।अतः सुश्री रीनू यादव को इस जाहिर सूचना के माध्यम से अंतिम अवसर प्रदान किया जाता है कि सूचना के 3 दिवस के भीतर अपनी उपस्थिति कार्यालय एवं आंगनबाड़ी केंद्र में दे अन्यथा की स्थिति में सुश्री रीनू यादव की सेवा समाप्ति की जाएगी ।

अनूपपुर जिले के नागरिक क्यूआर कोड स्कैन कर दर्ज कराएं फीडबैक

अनूपपुर। स्वच्छ भारत मिशन (शहरी) के अंतर्गत आयोजित होने वाले स्वच्छता सर्वेक्षण 2025-26 में अनूपपुर जिले के नागरिकों की शत-प्रतिशत भागीदारी सुनिश्चित करने के लिए जिला प्रशासन और नगरीय निकायों द्वारा विशेष अभियान शुरू किया गया है। नगरीय विकास एवं आवास आयुक्त संकेत भोंडवे द्वारा राज्य स्तर पर जारी निर्देशों के परिप्रेक्ष्य में, अनूपपुर जिले के सभी नगरीय निकायों में नागरिकों से फीडबैक दर्ज कराने की अपील की जा रही है। मध्य प्रदेश में अब तक 19 लाख से अधिक सजग नागरिक अपना फीडबैक दर्ज कराकर प्रदेश को अग्रणी बनाए हुए हैं, जिसमें अनूपपुर जिला भी अपनी सक्रिय भूमिका निभा रहा है। इस वर्ष के स्वच्छता सर्वेक्षण की सबसे महत्वपूर्ण और अभिनव विशेषता इसकी मूल्यांकन प्रणाली में किया गया क्रांतिकारी परिवर्तन है। अब शहरों की रैंकिंग केवल प्रशासनिक दावों या कागजी आंकड़ों पर तय नहीं होगी, बल्कि नागरिक फीडबैक और जन-शिकायत निवारण (ग्रीवांस रिड्रेसल) को इसका मुख्य आधार बनाया गया है। पूर्व के सर्वेक्षणों की तुलना में इस बार आम जनता की संतुष्टि, उनकी प्रतिक्रिया और उनकी समस्याओं के त्वरित व प्रभावी समाधान को सबसे अधिक वेटेज (महत्व) प्रदान किया गया है,

कागजों पर विकास, धरातल पर विनाश

सरपंच की करामती लीला से अधिकारी भी नतमस्तक

मानपुर। कहते हैं कि आवश्यकता ही आविष्कार की जननी होती है, लेकिन जनपद पंचायत मानपुर के अंतर्गत आने वाली ग्राम पंचायत कछौहा में भ्रष्टाचार ही आविष्कार का बाप बन चुका है, ग्राम पंचायत कछौहा के सरैहा टोला में विकास का ऐसा चमत्कार हुआ है, जिसे देखकर आधुनिक विज्ञान भी अपना सिर पीट ले। यहां नदी या नाले पर नहीं, बल्कि सीधे किसान राम स्वारित बैगा के हरे-भरे खेत के बीचों-बीच 20 लाख की भारी-भरकम लागत से पुलिया खड़ी कर दी गई है। इस पुलिया की महिमा ऐसी है कि इसके आगे न तो कोई रास्ता है, न कोई बस्ती और न ही दूर-दूर तक पानी की एक बूंद। मात्र दो घरों की आबादी के लिए सीधे खेत में ही पुलिया तान दी गई। यह पुलिया कह रही है कि मैं विकास की नहीं, बल्कि सरपंच और अधिकारियों की जेबें भरने की साक्षात गवाह हूं।

सरपंच साहब की तिजोरी में खनखनाहट

छह महीने पहले बनी यह पुलिया आज भ्रष्टाचार की वेदी पर बलि चढ़ चुकी है। स्थानीय ग्रामीणों का कहना है कि जब इस जगह पर कोई आवागमन ही नहीं है, तो आखिर किसके हित के लिए जनता के टैक्स के 20 लाख पानी की तरह बहा दिए गए? दरअसल, यह जनता का विकास नहीं, बल्कि सरपंच दिव्य प्रकाश पटेल का निजी विकास है। जब से श्री पटेल ने सरपंच की कुर्सी संभाली है, तब से ग्राम पंचायत कछौहा का विकास धरातल पर हुआ या नहीं, यह तो सरैहा टोला की यह बदहाल पुलिया खुद बयां कर रही है, लेकिन इस दौरान सरपंच साहब की निजी संपत्ति में कई गुना का ऐतिहासिक विकास जरूर दर्ज किया गया है।

सचिव के कंधे का इस्तेमाल

जब इस घोटाले को लेकर सरपंच दिव्य प्रकाश पटेल से जवाब मांगने की कोशिश की गई, तो उन्होंने बेहद मासूमियत भरा चेहरा बनाकर कह दिया, हमें क्या पता! हमें तो जानकारी ही नहीं है कि कितनी लागत से काम हो रहा है, न ही यह पुलिया हमने बनवाई है। वाह सरपंच साहब, वाह! पंचायत आपकी, दस्तखत आपके, मलाई आपकी और जब जवाबदेही की बात आई तो आप अंजन दास बन गए।

अजूबा! राम स्वारित बैगा के खेत में उगा दी 20 लाख की पुलिया

तैयार हो रही है बलि के बकरे की स्क्रिप्ट

सूत्रों की मानें तो सरपंच साहब ने भ्रष्टाचार की एक बेहद शातिर पटकथा लिखी है। ग्राम पंचायत के सचिव भैयालाल तिवारी आने वाले कुछ ही महीनों में सेवानिवृत्त (रिटायर) होने वाले हैं। सरपंच महोदय इसी का फायदा उठा रहे हैं। वे चाहते हैं कि उनके कार्यकाल के सारे पाप और काले कारनामे सचिव के खाते में डाल दिए जाएं। जैसे ही सचिव रिटायर होंगे, सरपंच साहब सीना तानकर कहेंगे, जो किया सो सचिव ने किया, मैं तो गंगा जैसा पवित्र हूं, यानी मलाई खुद खाओ और बदनामी का ठीकरा रिटायर होने वाले कर्मचारी के सिर फोड़ दो।

सरकारी गाइडलाइन की उड़ाई धज्जियां

नियम कहता है कि कोई भी निर्माण कार्य शुरू होने से पहले वहां एक सूचना पटल (बोर्ड) लगाना अनिवार्य है, जिसमें कार्य का मद, कुल लागत और निर्माण एजेंसी का नाम साफ-साफ लिखा हो ताकि जनता को सच पता रहे। लेकिन कछौहा पंचायत में तो अंधेरी नगरी-चौपट राजा का खेल चल रहा है। यहां जानबूझकर सूचना पटल को गायब कर दिया गया ताकि आम जनता को इस पुलिया के खेल का पता ही न चल सके। शासन के नियमों को ठेंगे पर रखकर अधिकारियों और सरपंच की जुगलबंदी में इस घोटाले को अंजाम दिया गया है।

एसडीओ साहब का मौन व्रत

इस पूरे मामले में जब जनपद के एसडीओ शैलेंद्र सिंह से संपर्क करने का प्रयास किया गया, तो साहब ने फोन उठाना ही उचित नहीं समझा। साहब का यह 'मौन व्रत' और फोन से दूरी साफ बयां करती है कि दाल में कुछ काला नहीं है, बल्कि पूरी की पूरी दाल ही काली है। जब साहब की जेब गरम हो, तो वे खेत क्या, रेगिस्तान में भी पुलिया पास कर दें! जनपद से लेकर जिला पंचायत तक के आला अधिकारियों की नाक के नीचे यह मूक सहमति का खेल लंबे समय से चल रहा है।

जांच सहित कार्यवाही की दरकार

कलेक्टर श्रीमती राखी सहाय और जिला पंचायत सीईओ अभय सिंह ओहरिया मामले को अगर संज्ञान में ले तो, भ्रष्टाचार का बंद पंचायत में जिन्न बाहर आ जायेगा। क्षेत्र की जनता की मांग है कि इस तथाकथित खेत वाली पुलिया का मौका मुआयना किया जाए और सरपंच दिव्य प्रकाश पटेल के कार्यकाल में हुए सभी निर्माण कार्यों की उच्च स्तरीय जांच कराई जाए। अगर निष्पक्ष जांच हुई, तो कछौहा पंचायत में ऐसे दर्जनों कागजी और अनुपयोगी निर्माण कार्य सामने आएंगे, जो सिर्फ और सिर्फ भ्रष्टाचार की पटकथा लिखने के लिए बनाए गए थे।

इनका कहना है...

आपके द्वारा मामला संज्ञान में आया है, निश्चित ही इस मामले को दिखाते हैं।

श्रीमती राखी सहाय
कलेक्टर उमरिया

बिजुरी का खूनी रहस्य

रातभर चली मौत की पटकथा

घर में महिला की लाश, बाहर युवक का शव

अनूपपुर जिले के बिजुरी थाना क्षेत्र में महिला और युवक की संदिग्ध हत्या ने पूरे इलाके को दहला दिया है। एक शव घर के भीतर मिला तो दूसरा बाहर सड़क किनारे पड़ा था। धारदार हथियार से हत्या की आशंका के बीच पुलिस जांच में जुटी है, लेकिन सवाल यह है कि आखिर उस रात ऐसा क्या हुआ जिसने दो जिंदगियों को मौत के अंधेरे में धकेल दिया? चीखें सुनी गईं, खून बहा, लेकिन सच अब भी परदे के पीछे छिपा है।

हरिभूमि न्यूज अनूपपुर।

जिले के बिजुरी थाना क्षेत्र के भालू गुडार वार्ड क्रमांक 7 में शुक्रवार की सुबह जब लोगों की नजर खून से सने शवों पर पड़ी, तो पूरा इलाका सन्न रह गया। 45 वर्षीय महिला का शव घर के भीतर पड़ा था, जबकि 26 वर्षीय युवक की लाश बाहर सड़क किनारे मिली। प्रारंभिक जांच में धारदार हथियार से हमले की आशंका जताई जा रही है। पुलिस, डॉग स्क्वॉड और एफएसएल टीम मौके पर पहुंची, लेकिन कई सवाल अब भी जवाब मांग रहे हैं। स्थानीय लोगों के अनुसार रात में चीखने-चिल्लाने की आवाजें सुनाई दी थीं। मृत युवक शराब के नशे में घर लौटा था और महिला के घर के बाहर कुछ लोगों की मौजूदगी की भी चर्चा है। इस दोहरे हत्याकांड ने सिर्फ दो परिवारों को नहीं तोड़ा, बल्कि इलाके की कानून व्यवस्था और सुरक्षा व्यवस्था पर भी गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। सबसे बड़ा सवाल है कि क्या यह सिर्फ हत्या है या इसके पीछे कोई गहरी साजिश छिपी है?

मौत की वो रात, जब चीखें दब गईं

गुरुवार और शुक्रवार की दरम्यानी रात बिजुरी के उस छोटे से मोहल्ले में कुछ ऐसा हुआ जिसने सुबह होते-होते पूरे क्षेत्र को खौफ में डाल दिया। लोगों ने देर रात चीखने और विवाद जैसी आवाजें सुनने की बात कही, लेकिन किसी ने यह नहीं सोचा था कि सुबह दो लाशें मिलेंगी। एक महिला घर के भीतर मृत पड़ी थी, जबकि युवक का शव बाहर सड़क किनारे पड़ा मिला। दोनों शवों की स्थिति देखकर अंदाजा लगाया जा रहा है कि हमलावर बेहद बेरहमी से वार कर फरार हुए। खून के निशान, टूटी हुई शांति और सहमे हुए लोग, पूरा दृश्य किसी क्राइम थ्रिलर से कम नहीं था।

शराब, विवाद या पुरानी रंजिश? जांच में उलझे सवाल

पुलिस की शुरुआती जांच कई संभावनाओं की तरफ इशारा कर रही है। मृत युवक के परिजनों का कहना है कि वह शराब पीकर घर लौटा था और किसी बात को लेकर विवाद हुआ होगा। वहीं महिला के घर के बाहर कुछ संदिग्ध लोगों की मौजूदगी की चर्चा ने मामले को और रहस्यमयी बना दिया है। क्या यह आपसी विवाद था? क्या पुरानी दुश्मनी ने खूनी रूप लिया? या फिर किसी ने सुनियोजित तरीके से दोनों को मौत के घाट उतारा? फिलहाल पुलिस हर एंगल से जांच की बात कर रही है, लेकिन इलाके में दहशत का माहौल साफ दिखाई दे रहा है।

पोस्टमार्टम पर अड़ा परिवार, प्रशासन पर उठे सवाल

मृत युवक की बहन ने पोस्टमार्टम से पहले बड़े अधिकारियों को बुलाने की मांग कर दी। उनका कहना था कि जब तक वरिष्ठ अधिकारी मौके पर नहीं आएंगे, शव नहीं उठने दिया जाएगा। यह सिर्फ भावनात्मक प्रतिक्रिया नहीं थी, बल्कि सिस्टम पर अविश्वास की तस्वीर भी थी। अक्सर ग्रामीण क्षेत्रों में हत्या जैसे मामलों में जांच की निष्पक्षता को लेकर सवाल उठते रहे हैं। यही वजह है कि इस बार परिवार खुलकर सामने आया। लोगों का कहना है कि अगर शुरुआत से सख्त कार्यवाही नहीं हुई तो मामला भी बाकी फाइलों की तरह धूल खा जाएगा।

बिजुरी का दोहरा हत्याकांड कानून व्यवस्था पर बड़ा सवाल

यह घटना सिर्फ दो लोगों की हत्या नहीं, बल्कि उस डर की तस्वीर है जो अब गांव-कस्बों में भी गहराने लगा है। अगर रात के अंधेरे में कोई घर के भीतर घुसकर हत्या कर सकता है और दूसरा शव सड़क पर फेंक सकता है, तो आम नागरिक खुद को कितना सुरक्षित महसूस करेगा? बिजुरी का यह डबल मर्डर प्रशासन के लिए एक चेतावनी है। अपराधियों के हौसले तभी टूटेंगे जब जांच तेज, निष्पक्ष और पारदर्शी होगी। वरना हर नई सुबह किसी और चीख, किसी और खून और किसी और मातम की खबर लेकर आएगी।

दिनदहाड़े नकली पिस्टल अड़ाकर वसूली करने वाले दो आरोपी गिरफ्तार

हरिभूमि न्यूज अनूपपुर।

कोतवाली पुलिस ने पेट्रोल पंप पर अधिवक्ता से नकली पिस्टल अड़ाकर अवैध वसूली, धमकी और मारपीट करने वाले दो आरोपियों को वारदात के कुछ ही घंटों के भीतर गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से वारदात में प्रयुक्त नकली पिस्टल, लोहे का डंडा और रॉयल इनफील्ड मोटरसाइकिल जब्त की है।

जानकारी के अनुसार जिला न्यायालय अनूपपुर के अधिवक्ता मानवेंद्र सिंह गुरुवार दोपहर केड़िया पेट्रोल पंप जैतहरी रोड पर अपनी मोपेड में पेट्रोल डलवाने पहुंचे थे। इसी दौरान रॉयल इनफील्ड बाइक से पहुंचे दो युवकों ने अपनी बाइक में 500 रुपये का पेट्रोल डलवाने को लेकर विवाद शुरू कर दिया। मना करने पर एक युवक ने कमर से नकली पिस्टल निकालकर अधिवक्ता पर तान दी, जबकि दूसरे ने बाइक में लगा लोहे का डंडा निकालकर धमकाया। बताया गया कि अधिवक्ता के वहां से निकलने के बाद आरोपियों ने रास्ते में फिर रोककर गाली-गलौज करते हुए पेट्रोल के लिए पैसे मांगे और लोहे के डंडे से मारपीट की। मामले की शिकायत पर कोतवाली थाना में विभिन्न धाराओं के तहत अपराध दर्ज किया गया। टीआई अरविंद जैन के नेतृत्व में पुलिस टीम ने पेट्रोल पंप के सीसीटीवी फुटेज और बाइक नंबर के आधार पर आरोपियों की पहचान कर शहडोल से शांतनू मौर्य और दीपक पकवासा को गिरफ्तार किया। पूछताछ में आरोपियों ने बताया कि नकली पिस्टल और लोहे का डंडा ऑनलाइन खरीदा गया था। दोनों आरोपियों पर पहले से भी आपराधिक मामले दर्ज हैं। पुलिस की त्वरित कार्रवाई की अधिवक्ता संघ ने सराहना की है।

रक्सा में 8002 मेगावाट पावर प्लांट परियोजना की लोकसुनवाई शांतिपूर्ण वातावरण में सम्पन्न

हरिभूमि न्यूज अनूपपुर।

ग्रामीणों की सहमति और विकास की भावना के साथ आगे बढ़ रही भूमि अधिग्रहण प्रक्रिया न्यू जोन इंडिया प्राइवेट लिमिटेड जिले के ग्राम पंचायत रक्सा के खेल मैदान में 15 मई को न्यू जोन इंडिया प्राइवेट लिमिटेड द्वारा प्रस्तावित 8002 मेगावाट ताप विद्युत परियोजना के लिए भूमि अधिग्रहण प्रक्रिया के अंतर्गत लोकसुनवाई का सफल आयोजन किया गया। यह लोकसुनवाई किसानों एवं ग्रामीणों के लिखित निवेदन के आधार पर भू-अधिग्रहण नियम 2013 के तहत सामाजिक प्रभाव आकलन रिपोर्ट पर विस्तृत चर्चा के उद्देश्य से आयोजित की गई। प्रस्तावित परियोजना के लिए लगभग 103.691 एकड़ भूमि अधिग्रहण से संबंधित विभिन्न बिंदुओं पर विस्तारपूर्वक विचार-विमर्श किया गया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में ग्रामीणजन, जनप्रतिनिधि, अधिकारीगण एवं प्रबुद्ध नागरिक उपस्थित रहे। लोकसुनवाई की अध्यक्षता अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) कमलेश पुरी ने की। कार्यक्रम में सामाजिक प्रभाव आकलन अध्ययन समिति के अध्यक्ष एवं अपर कलेक्टर दिलीप पाण्डेय विशेष रूप से उपस्थित रहे। सामाजिक प्रभाव आकलन का अध्ययन करने वाली संस्था ए.आई.एस.डी. द्वारा अध्ययन रिपोर्ट को विस्तारपूर्वक पढ़कर सुनाया गया तथा ग्रामीणों को परियोजना से जुड़े सामाजिक एवं विकासात्मक पहलुओं की जानकारी दी गई। इस दौरान ग्राम रक्सा एवं कोलमी के हितग्राहियों तथा उपस्थित ग्रामीणों ने मंच के माध्यम से अपने विचार, सुझाव एवं अपेक्षाएँ व्यक्त कीं। ग्रामीणों ने क्षेत्र में उद्योग स्थापना को विकास, रोजगार और आधारभूत सुविधाओं के विस्तार की दिशा में महत्वपूर्ण कदम बताया। न्यू जोन इंडिया प्राइवेट लिमिटेड एवं उसकी अनुसंगी कंपनी टोरेंट पावर के प्रतिनिधियों ने ग्रामीणों द्वारा उठाए गए सभी प्रश्नों का विस्तारपूर्वक जवाब दिया। कंपनी प्रतिनिधियों ने स्पष्ट किया कि कंपनी शासन के सभी नियमों एवं कानूनों का पूर्ण पालन करते हुए कार्य कर रही है तथा ग्रामीणों के हितों को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जा रही है। कंपनी की ओर से यह भी बताया गया कि भूमि अधिग्रहण की प्रक्रिया ग्रामीणों के विशेष आग्रह एवं ग्राम सभा की सहमति के बाद ही आगे बढ़ाई गई है। ग्राम पंचायत रक्सा एवं कोलमी की अनुपयोगी भूमि के अधिग्रहण के लिए ग्रामीणों द्वारा प्रस्ताव पारित कर निवेदन किया गया था, जिसके पश्चात शासन के माध्यम से नियमानुसार अधिग्रहण प्रक्रिया प्रारंभ की गई। कंपनी प्रतिनिधियों ने कहा कि प्रस्तावित परियोजना न केवल क्षेत्रीय विकास को नई दिशा देगी, बल्कि मध्यप्रदेश की औद्योगिक प्रगति में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। साथ ही रोजगार के अवसरों का सृजन, स्थानीय युवाओं को प्राथमिकता, आधारभूत सुविधाओं का विस्तार एवं ग्रामीणों के जीवन स्तर में सुधार कंपनी की प्राथमिकताओं में शामिल रहेगा। लोकसुनवाई के दौरान ग्राम पंचायत रक्सा की सरपंच श्रीमती उमा सिंह, कोलमी सरपंच राजू पनिका, राम नारायण पाण्डेय, नरेंद्र राठौर, रमेश सिंह, चक्रधर मिश्रा, श्रीमती कुसुम राठौर, रामदीन राठौर सहित अनेक वक्ताओं ने अपने विचार रखे। कांग्रेस जिला अध्यक्ष अनूपपुर गुड्डू चौहान ने कहा कि उद्योग स्थापना से प्रदेश एवं देश के विकास को गति मिलेगी। उन्होंने प्रभावित किसानों के हितों की सुरक्षा की बात कहते हुए कंपनी द्वारा क्षेत्र में किए जा रहे कार्यों की सराहना भी की। वहीं चक्रधर मिश्रा ने कहा कि कंपनी और ग्रामीणों के बीच बेहतर तालमेल स्थापित हुआ है तथा उद्योग स्थापना के लिए ग्रामीणजन पूरा सहयोग प्रदान करेंगे। उन्होंने बताया कि कंपनी ग्रामवासियों की समस्याओं के समाधान के लिए प्रतिबद्ध है और विकास कार्यों को सकारात्मक रूप से आगे बढ़ा रही है। लोकसुनवाई के अंत में कंपनी प्रतिनिधि सुशील कांत मिश्रा द्वारा उठाए गए मुद्दों का बिंदुवार उत्तर प्रस्तुत किया गया। एवं उपस्थित लोगों का आभार व्यक्त किया। तत्पश्चात अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) कमलेश पुरी ने लोकसुनवाई समाप्ति की घोषणा की। पूरी लोकसुनवाई शांतिपूर्ण, सौहार्दपूर्ण एवं सकारात्मक वातावरण के सम्पन्न हुई।

भव्य परशुराम एवं बटुक शोभायात्रा ने मोहा नगरवासियों का मन

वैदिक रीति रिवाज से बटुकों का सामूहिक उपनयन संस्कार सम्पन्न

हरिभूमि न्यूज अनूपपुर। धर्मनगरी अनूपपुर में आध्यात्मिक ऊर्जा और सनातन परंपरा के गौरव का साक्षी बना। ब्राह्मण समाज सेवा समिति द्वारा आयोजित सामूहिक उपनयन (जनेऊ) संस्कार कार्यक्रम अत्यंत श्रद्धा, भक्ति और वैदिक मर्यादाओं के साथ संपन्न हुआ। इस गरिमामयी आयोजन में जिले के लगभग 40 बटुकों ने विधि-विधान से जनेऊ धारण कर अपने नए आध्यात्मिक जीवन की शुरुआत की। कार्यक्रम का शुभारंभ प्रातः काल से ही विद्वान आचार्यों के सानिध्य में वैदिक मंत्रोच्चार के साथ हुआ। पवित्र यज्ञ वेदी के समक्ष बैठकर बटुकों ने गुरु दीक्षा प्राप्त की। आचार्यों ने बटुकों को जनेऊ धारण करने के महत्व, इसके नियमों और ब्रह्मचर्य धर्म के पालन की विस्तृत जानकारी दी। जनेऊ संस्कार के दौरान होने वाली हर रस्म चाहे वह मुंडन हो, भिक्षाटन हो या हवन अत्यंत सूक्ष्मता और परंपरा के अनुरूप पूर्ण की गई। परिसर मानो लघु काशी के रूप में परिवर्तित हो गया था। श्वेत वस्त्र धारण किए बटुक और पारंपरिक वेशभूषा में उपस्थित ब्राह्मण जन समाज की एकता को प्रदर्शित कर रहे थे। आयोजन की व्यवस्था इतनी सुदृढ़ थी कि सैकड़ों की संख्या में उपस्थित परिजनों और श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की असुविधा नहीं हुई। हर तरफ शंखध्वनि और 'जय परशुराम' के उद्घोष से वातावरण गुंजायमान रहा। संस्कार विधि पूर्ण होने के पश्चात नगर में एक विशाल और भव्य शोभायात्रा निकाली गई। यह शोभायात्रा आयोजन का मुख्य आकर्षण रही। बाजे-गाजे, आतिशबाजी और ढोल-नगाड़ों की थाप पर थिरकते श्रद्धालु समाज की खुशियों को साझा कर रहे थे। सजे-धजे वाहनों और पारंपरिक वेशभूषा में नाचते-गाते युवाओं ने पूरे नगर का माहौल उत्सवमय बना दिया। नगरवासियों ने भी जगह-जगह पुष्पवर्षा कर शोभायात्रा का स्वागत किया। इस विशाल आयोजन की सफलता का मुख्य श्रेय ब्राह्मण समाज सेवा समिति के जिला अध्यक्ष पंडित रामप्रकाश द्विवेदी, एडवोकेट अनिल तिवारी, ब्रजभूषण शुक्ला और उनकी कर्मठ टीम को जाता है। पिछले वर्ष की भांति इस वर्ष भी द्विवेदी जी के कुशल नेतृत्व में समिति ने सूक्ष्म स्तर पर योजना बनाई और उसे धरातल पर उतारा। समाज के प्रबुद्ध जनों ने समिति के इस प्रयास की सराहना करते हुए इसे समाज को नई दिशा देने वाला कदम बताया।

आयोजन के समापन पर ब्राह्मण समाज सेवा समिति द्वारा उन सभी प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष सहयोगियों का हृदय से आभार व्यक्त किया गया, जिन्होंने इस कार्यक्रम को सफल बनाने में अपना योगदान दिया। समिति ने विशेष रूप से दानदाताओं, समाजसेवी भाइयों, मातृशक्ति और विद्वान आचार्यों के प्रति कृतज्ञता प्रकट की, जिनका समर्पण इस आयोजन को यादगार बनाने में सहायक रहा। इस बार के आयोजन में मातृशक्ति (महिलाओं) और युवाओं की भागीदारी विशेष रूप से देखने को मिली। महिलाओं ने जहाँ मांगलिक गीतों और रीति-रिवाजों के प्रबंधन में भूमिका निभाई, वहीं युवाओं की टीम ने सुरक्षा, शोभायात्रा के प्रबंधन और अनुशासन को बनाए रखने में दिन-रात मेहनत की। यह अंतर-पीढ़ीगत सामंजस्य समाज के उज्ज्वल भविष्य का संकेत है। नगर के प्रमुख मार्गों से गुजरी शोभायात्रा ने न केवल ब्राह्मण समाज बल्कि संपूर्ण अनूपपुर के जनमानस में धर्म के प्रति आस्था जगाई। लोगों ने इस आयोजन को सामाजिक समरसता का उदाहरण माना, जहाँ पूरा नगर एक ही आध्यात्मिक सूत्र में बंधा नजर आया। आतिशबाजी और संगीत ने इस धार्मिक अनुष्ठान को एक आनंदमयी उत्सव में बदल दिया। कार्यक्रम के अंत में ब्राह्मण समाज ने संकल्प लिया कि वे इसी प्रकार संगठित रहकर धर्म, संस्कृति और समाजहित के कार्यों में निरंतर सक्रिय रहेंगे। प्रार्थना की गई कि भगवान परशुराम का आशीर्वाद सभी पर बना रहे और समाज के हर वर्ग का कल्याण हो। इस सफल आयोजन की चर्चा आज पूरे जिले में जोरों पर है। पूरा आयोजन जय परशुराम और जय सनातन धर्म के गगनभेदी उद्घोष के साथ संपन्न हुआ। विदाई के समय बटुकों के चेहरों पर एक नई चमक और परिजनों के मन में गौरव का भाव था। निश्चित ही, अनूपपुर का यह सामूहिक उपनयन संस्कार आने वाले कई वर्षों तक लोगों के स्मृति पटल पर अंकित रहेगा।

सफलता अर्जित करने के लिए शौर्य संकल्प प्रशिक्षण प्रभावी माध्यम-कलेक्टर श्री पंचोली

शौर्य संकल्प प्रशिक्षण योजना 2026 का हुआ शुभारंभ

हरिभूमि न्यूज अनूपपुर

कलेक्टर हर्षल पंचोली ने कहा कि शौर्य संकल्प प्रशिक्षण योजना मध्य प्रदेश के पिछड़ा वर्ग के युवाओं को सेना एवं पुलिस भर्ती की शारीरिक तथा लिखित परीक्षाओं की तैयारी कराने के उद्देश्य से प्रारंभ की गई एक महत्वपूर्ण योजना है। उन्होंने कहा कि यह प्रशिक्षण युवाओं के लिए सफलता प्राप्त करने का प्रभावी माध्यम साबित होगा। कलेक्टर पंचोली ने कहा कि वर्तमान समय में युवा ऊर्जा और प्रतिभा से परिपूर्ण हैं तथा उन्हें सही दिशा और मार्गदर्शन मिलने पर वे जीवन में नए मुकाम हासिल कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि विभिन्न शासकीय प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता अर्जित करने के लिए यह प्रशिक्षण कार्यक्रम सरल, उपयोगी एवं प्रभावी माध्यम के रूप में कार्य करेगा। कलेक्टर पंचोली अनूपपुर जिले के डाइट परिसर में आयोजित "शौर्य संकल्प प्रशिक्षण योजना" अंतर्गत 45 दिवसीय निःशुल्क प्रशिक्षण कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। कलेक्टर हर्षल पंचोली ने उपस्थित विद्यार्थियों को नियमित अभ्यास, अनुशासन एवं सकारात्मक सोच के साथ प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी करने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि वर्तमान समय प्रतियोगिता का दौर है, इसलिए विद्यार्थियों को लक्ष्य निर्धारित कर पूरी मेहनत और समर्पण के साथ आगे बढ़ना चाहिए। उन्होंने बताया कि प्रशिक्षण कार्यक्रम के अंतर्गत विद्यार्थियों को विज्ञान, गणित, इतिहास, भूगोल सहित अन्य विषयों का अध्ययन कराया जाएगा, जिससे वे सेना एवं पुलिस भर्ती सहित विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं की बेहतर तैयारी कर सकें। कलेक्टर पंचोली ने कहा कि यह प्रशिक्षण युवाओं के लिए एक प्रभावी एवं उपयोगी माध्यम साबित होगा। उन्होंने जानकारी दी कि प्रशिक्षण के दौरान विद्यार्थियों के साप्ताहिक टेस्ट भी आयोजित किए जाएंगे तथा उनकी रैंकिंग तैयार की जाएगी, ताकि विद्यार्थियों को अपनी तैयारी का सही मूल्यांकन मिल सके। उन्होंने युवाओं से कहा कि वे अभी से अपने करियर के प्रति सजग रहें और लक्ष्य प्राप्ति के लिए निरंतर प्रयास करें, जिससे उन्हें समय पर सफलता हासिल हो सके। कलेक्टर हर्षल पंचोली, उपाध्यक्ष जिला पंचायत श्रीमती पार्वती वाल्मीकि राठौर एवं मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत श्रीमती अर्चना कुमारी ने मां सरस्वती के छायाचित्र के समक्ष दीप प्रज्वलित एवं माल्यार्पण कर शौर्य संकल्प प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुभारंभ किया। राशि रजक, अंजली सिंह राठौड़, मानसी यादव, कृष्ण कुमार केवट, धनीराम केवट एवं इंद्र कुमार केवट को पाठ्यक्रम सामग्री प्रदान किया। सहायक संचालक पिछड़ा वर्ग एवं अल्पसंख्यक विभाग श्रीमती मंजूला सिंद्रे ने जानकारी देते हुए बताया कि मध्य प्रदेश शासन द्वारा संचालित "शौर्य संकल्प प्रशिक्षण योजना 2026" के अंतर्गत पिछड़ा वर्ग के अभ्यर्थियों को 45 दिवसीय निःशुल्क प्रशिक्षण प्रदान किया जाएगा। इस योजना के माध्यम से युवाओं को सेना एवं पुलिस भर्ती की शारीरिक तथा लिखित परीक्षाओं की तैयारी कराई जाएगी। उन्होंने बताया कि प्रशिक्षण के दौरान विद्यार्थियों को स्कॉलरशिप का लाभ भी प्रदान किया जाएगा। योजना के अंतर्गत सैद्धांतिक कक्षाओं के साथ-साथ प्रतिदिन प्रातःकाल एवं सायंकाल लगभग डेढ़ घंटे तक शारीरिक दक्षता से संबंधित प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे, ताकि अभ्यर्थी शारीरिक रूप से भी बेहतर तैयारी कर सकें। सहायक संचालक श्रीमती मंजूला सिंद्रे ने कहा कि प्रशिक्षण पूर्ण होने के बाद प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र भी वितरित किए जाएंगे, जिससे युवाओं को भविष्य में विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं एवं भर्ती प्रक्रियाओं में लाभ प्राप्त हो सकेगा। कार्यक्रम में सहायक आयुक्त जनजातीय कार्य विभाग सुश्री सरिता नायक, निरीक्षक पिछड़ा वर्ग एवं अल्पसंख्यक विभाग श्रीमती निकिता भल्लावी सहित अन्य संबंधित अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित थे।

सहायक मंडल विधुत अभियंता के साथ रनिंग स्टाफ के मुद्दों पर इन्फारमल मीटिंग बैठक सम्पन्न

हरिभूमि न्यूज अनूपपुर। रेलवे मजदूर कांग्रेस शहडोल व पेंड्रारोड़ के प्रतिनिधि ने सहायक मंडल विधुत अभियंता ओ पी शहडोल चन्द्र प्रकाश मस्तुरिया के साथ 14 मई को शहडोल में इंन्फारमल बैठक कर शहडोल व पेंड्रारोड के रनिंग कर्मचारियों सभी के चार्ज शीट और एब्सेंट से संबंधित समस्याओं पर मंडल समन्वयक बिलासपुर विजय अग्निहोत्री के निर्देश व मार्गदर्शन में मुलाकात किया। बैठक मार्गदर्शन जोनल कार्यकारी अध्यक्ष सीआईसी प्रभारी लक्ष्मण राव के नेतृत्व में शाखा सचिव पेंड्रा रोड हेमंत कुमार, शाखा उपाध्यक्ष दीपक सिंह, सहायक सचिव वीर सिंह मीणा, ब्रांच काउंसलर किशन सिंह, शाखा सचिव शहडोल बालकृष्ण बंगारी, शाखा अध्यक्ष शहडोल प्रभास कुमार, शाखा सचिव अनूपपुर जयंतोदास दासगुप्ता अनोपचारिक बैठक में शामिल रहे, पेंड्रारोड में 12 कर्मचारियों की चार्ज सीट जो दिया गया था जो 6 आदमी को अनुपस्थित किया गया था उस संदर्भ में सभी पदाधिकारी ने बहुत ही जोरदार दमदार ढंग से एक-एक

प्रकरण पर एईई ओपी से बात की और अपना पक्ष रखा की कर्मचारी अपने घर के जरूरी कामों को यदि करने जा रहा है चाहे वह पिता का इलाज हो या बहन की शादी हो या स्वयं की शादी हो उसमें उसे अनुपस्थित किया जा रहा है, यह सही नहीं है, बैठक में 2 घंटे तक सभी संबंधित विषयों पर चर्चा की गई शाखा सचिव के लेटर पैड पर रनिंग कर्मचारियों के समस्याओं दिया गया, एईई ओपी शहडोल ने सभी विषयों पर सकारात्मक जवाब दिए और कहा कि सभी के चार्ज सीट माफ किए जाएंगे और जो लोग अनुपस्थिति है उनके साथ पुनर्विचार कर अनुपस्थिति हटाया जाएगा।

बिजली मीटर से छेड़छाड़ करने पर धारा 136 में होगी कार्रवाई

हरिभूमि न्यूज अनूपपुर। विद्युत विभाग ने उपभोक्ताओं को सचेत किया है कि यदि बिजली के मीटर या सर्विस लाइन में अनावश्यक छेड़छाड़ पाई जाती है, तो ऐसा करने वालों के विरूद्ध कड़ी कानूनी कार्रवाई होगी। विभाग ने अपील की है कि उपभोक्ता किसी भी शरारती तत्व के बहकावे में आकर मीटर में तोड़फोड़ न करें। विद्युत अधिनियम 2003 की धारा 136 के अनुसार, विभाग की अनुमति के बिना मीटर या इलेक्ट्रिक लाइन को हटाना या अन्यत्र लगाना विद्युत सामग्री की चोरी माना जाता है। इस अपराध के लिए दोषी को 3 वर्ष तक का कारावास, 10 हजार रुपये का जुर्माना या दोनों सजाओं से दण्डित करने का प्रावधान है। उपभोक्ताओं की शिकायतों के त्वरित निराकरण के लिए विभाग द्वारा पुख्ता व्यवस्था की गई है। यदि किसी को मीटर, रीडिंग, बिलिंग या बिजली व्यवधान जैसी कोई भी समस्या है, तो वे सीधे अधिकृत माध्यमों से अपनी शिकायत दर्ज करा सकते हैं।